दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 2 | अंक: 350 जयपुर, गुरुवार, 30 नवंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- तृतीया, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

चुनाव प्रचार में उम्मीदवारों का मेटाबोलिज्म (चयापचय) डिस्टर्ब

प्रत्याशियों को अनिद्रा... बेचैनी और वजन घटने की शिकायत

सच बेधड़क पड़ताल

- चुनाव प्रचार के दौरान भागदौड़ का कइयों की हेल्थ पर पड़ा असर
- मंत्री कल्ला का वजन 3 किलो तो बालमुकुंदाचार्य का 10 किलो घटा

हरीश भामनिया | बेधड़क

जयपुर। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों ने खूब भागदौड़ की। इससे इनकी दैनिक दिनचर्या भी बुरी तरह से प्रभावित रही। इसका सीधा असर उनकी हेल्थ पर भी खासा पड़ा। किसी प्रत्याशी का वजन घट गया तो कई प्रत्याशियों का वजन बढ़ा भी। 'सच बेधड़क' की पड़ताल में सामने आया कि प्रचार के दौरान कुछ प्रत्याशियों ने योगा का भी सहारा लिया। जिनका वजन घटा उनमें ऊर्जा मंत्री बी डी कल्ला (ढाई से 3 किलो), हवामहल से भाजपा प्रत्याशी बालमुकुंदाचार्य महाराज (सबसे ज्यादा 10 किलो), बगरू से भाजपा प्रत्याशी कैलाश वर्मा (2 किलो), डोटासरा के सामने डटे भाजपा प्रत्याशी सुभाष महरिया (एक किलो) शामिल हैं। वहीं जयपुर के विद्याधर नगर से कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल का वजन एक से डेढ़ किलो बढ़ गया।

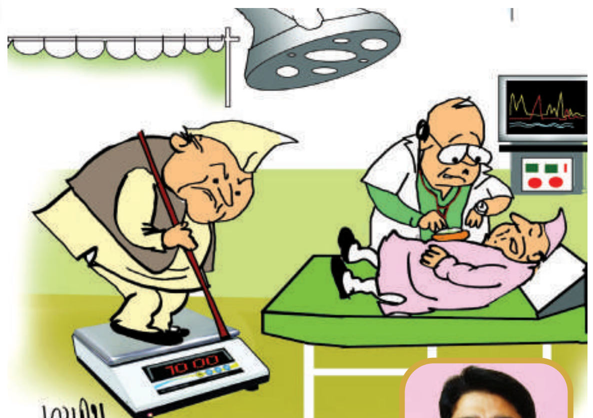

उनका कहना है कि नियमित व्यायाम से उन्हें दिनभर ताजगी का अहसास होता है। सीकर शहर से कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र पारीक के अनुसार 4 नवंबर को नामांकन भरने के बाद 7 नवंबर से खान-पान की दिनचर्या बदलने का स्वास्थ्य पर असर का अहसास हो रहा है। वजन घटने बढ़ने के कारण को मेडिकल साइंस में परिभाषित किया गया है। दिनचर्या डिस्टर्ब होने से शरीर में मेटाबोलिज्म डिस्टर्ब होता है। इसमें अनिंद्रा, एसीडीटी जैसे लक्षण सामने आते हैं। इससे शरीर में अलग-अलग तरह से प्रभाव पड़ता है।

क्या कहते हैं चिकित्सक

सवाई मानसिंह अस्पताल के प्रो. मेडिशियन डॉ. आर के भीमवाल ने बताया कि लगातार ज्यादा भागदौड़ होने से शारीरिक थकावट व मानसिक तनाव रहता है, जिसका सीधा असर बॉडी पर पड़ता है। इसके कारण वजन घटता बढ़ता रहता है। नींद का पूरी नहीं लेना भी इसका एक कारण है। नींद पूरी नहीं होने से बॉडी का मेटाबोलिज्म डिस्टर्ब होता है।

इन प्रत्याशियों ने योग करके संभाली हेल्थ

चुनाव प्रचार में भागदौड़ ज्यादा रहने से अधिकांश प्रत्याशियों ने पहले से ही अपनी दिनचर्या की रूपरेखा तैयार कर ली थी। नियमित व्यायाम के साथ योग के लिए भी समय निकाला। योग करने वाले भाजपा प्रत्याशियों में बगरू से डॉ. कैलाश वर्मा, मालवीय नगर से कालीचरण सराफ, किशनपोल से चंद्रमनोहर बटवाड़ा, आमेर से डॉ. सतीश पूनियां, सिविल लाइन से गोपाल शर्मा, ब्यावर से शंकर सिंह तथा चौमूं से रामलाल शर्मा मुख्य रहे। वहीं, कांग्रेस के कुछ प्रत्याशियों ने योग के अलावा नियमित हल्के व्यायाम के साथ वॉक का सहारा लिया। झोटवाड़ा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे आशू सिंह सुरपुरा ने भी हेल्थ केयर का ध्यान रखा। तो, कांग्रेस के प्रत्याशियों में सांगानेर से पुष्पेंद्र भारद्वाज, झोटवाड़ा से अभिषेक चौधरी, चाकसू से वेदप्रकाश सोलंकी, निवाई से प्रशांत बैरवा, फुलेरा से विद्याधर चौधरी तथा दूदू से कांग्रेस बाबूलाल नागर ने नियमित व्यायाम का सहारा लिया।

मेटाबोलिज्म है हेल्थ का किंग!

मेटाबॉलिज्म शरीर में होने वाली रासायनिक प्रक्रिया को कहा जाता है। जो शरीर को काम करने की ऊर्जा देता है और जीवित रहने में मदद करता है। भोजन से पोषक तत्वों को ऊर्जा में बदलने का काम करता है। शरीर में होने वाली सारे फंक्शन मेटाबॉलिज्म पर निर्भर करते हैं। आपके शरीर का सांस लेना, भोजन को पचाना, ब्लड सर्कुलेशन, बॉडी को मूव करना, क्षतिग्रस्त ऊतकों और कोशिकाओं की मरम्मत के लिए ऊर्जा प्रदान करना। यानी मेटाबॉलिज्म आपकी सेहत का किंग है।

ट्रिपल मर्डर से सनसनी: मालवीय नगर के झालाना कच्ची बस्ती की घटना

मां के साथ दो मासूम बेटों की नृशंस हत्या
हत्यारा फरार

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के मालवीय नगर क्षेत्र की झालाना कच्ची बस्ती की खटीक कॉलोनी में बुधवार को दिनदहाड़े एक नकाबपोश दुर्दांत हत्यारा घर में बैठी महिला और उसके दो मासूम बेटों को चाकू से गोदने के बाद उन पर दो फायर कर पहली मंजिल से कूदा और फरार हो गया। हत्यारे के दोनों हथियार चाकू और पिस्टल मौके पर ही गिर गए, जिन्हें पुलिस कब्जे में लेकर उनकी फॉरेंसिक जांच करवा रही है। संभवतः पहली मंजिल से कूदने के कारण कातिल के हथियार वहीं गिर गए। मृतकों में सुमन विष्ट और उसके बेटे जिव्यांश (5) और अव्यांश (2) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि वारदात में शक की बिनाह पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मालवीय नगर थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि एक हत्यारे ने खटीकों के मोहल्ले में एक महिला और उसके दो पुत्रों पर पहले चाकू से हमला किया, और फिर गोली मारकर उनकी नृशंस हत्या कर दी। कुछ ही देर में मृतका के पति ने पुलिस को फोन पर वारदात की सूचना दी। हालांकि, पुलिस जब मौके पर पहुंची तब वह शराब के नशे में धुत था। पुलिस

कातिल चाकू और पिस्टल से लैस था... दोनों हथियार मौके पर गिर गए

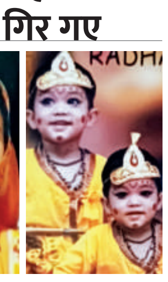

हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। इस संबंध में मृतकों के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ में कर रही है।

घटना के वक्त भूतल पर थीं सास और ननद

पुलिस के अनुसार घर के भूतल पर मृतका की ननद और सास रहती हैं, जबकि पहली मंजिल पर महिला अपने पति और बच्चों के साथ रहती थी। घर की पहली मंजिल पर ही इस वारदात को अंजाम दिया गया है। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि किसने इस वारदात को अंजाम दिया और इसके पीछे वजह क्या थी। इस वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

साक्ष्य लेने को बुलाई एफएसएल टीम

पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाया है, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। प्रारंभिक तौर पर अज्ञात हत्यारे द्वारा वारदात को अंजाम देकर पहली मंजिल से कूदकर भागने की जानकारी सामने आई है, जिसे लेकर पुलिस पड़ताल कर रही है।

जरूरी खबर

हिंदुजा समूह के कार्यालयों में IT का तलाशी अभियान

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने मुंबई और कुछ अन्य शहरों में हिंदुजा समूह की कुछ इकाइयों में बुधवार को तलाशी अभियान चलाया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कार्रवाई कर चोरी की जांच के हिस्से के रूप की जा रही है। मुंबई और कुछ अन्य शहरों में स्थित कंपनी के कार्यालयों में तलाशी की जा रही है। तलाशी अभियान से जुड़े आईटी कानून के तहत केवल कार्यालय परिसर में ऐसी कार्रवाई अंजाम दी जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि कर विभाग की कार्रवाई सामान्य कर परिवर्जन रोधी नियम (जीएएआर) के प्रावधानों से भी जुड़ी है।

सीएम को पांचों राज्यों में कांग्रेस की जीत का भरोसा

माहौल से लग रहा है कि कांग्रेस सरकार 'रिपीट' होगी: गहलोत

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि लोगों की प्रतिक्रिया और राज्य के माहौल से लग रहा है कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कितनी सीटें मिलने की उम्मीद है यह पूछे जाने पर गहलोत ने यहां संवाददाताओं से किसी तरह का कयास लगाने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'ये मैं नहीं कह सकता कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतेगी... मैं कभी गणना नहीं करता हूं, लेकिन मोटे तौर पर मुझे माहौल 'अंडर करंट' (सरकार के पक्ष में) वाला लग रहा है। जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं उससे अंदाजा है कि लोगों का इस बार सरकार 'रिपीट' करने का मन है।'

दिल्ली रवाना होने से पहले बुधवार को गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'माई-बाप तो जनता ही होती है। उनका फैसला पूरी नम्रता से स्वीकार करेंगे।'

BJP की भाषा रही भड़काऊ

गहलोत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान में आक्रामक प्रचार करने वाले भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत पार्टी के नेताओं पर भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कन्हैया लाल हत्याकांड का मुद्दा उठाया। गहलोत ने अपना आरोप दोहराया कि इस हत्याकांड में शामिल लोग भाजपा से जुड़े हुए थे।

पीएम मोदी के नैरेटिव हो रहे फेल

गहलोत ने कहा, 'हम राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जीतेंगे और तेलंगाना में भी जीत सकते हैं, मैं कल तेलंगाना गया था, वहां बहुत शानदार मौहाल है, पूरे देश में माहौल बदल रहा है और पीएम मोदी के नैरेटिव फेल हो रहे हैं।

मौसम: मरुधरा में बढ़ती जा रही ठिठुरन

जयपुर में सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा बुधवार

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में पिछले तीन दिनों से हो रही ओलावृष्टि और बारिश का दौर बुधवार को थम गया। वहीं, जयपुर में बुधवार को सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। सर्दी बढ़ने से लोगों की कंपकपी छूटी। मंगलवार शाम और रात के बाद बुधवार अलसुबह लोग अलाव तापते नजर आए।

हालांकि, दोपहर बाद निकली हल्की धूप ने लोगों को ठंड से राहत दिलाई। जयपुर में बुधवार को न्यूनतम तापमान 13.7 रहा, जो मंगलवार (16.3) को मुकाबले 2.6 डिग्री नीचे गिरा। शहर के मालवीय नगर, परकोटा, वैशाली नगर, झोटवाड़ा सहित शहरभर बुधवार सुबह कोहरे की चपेट में रहा।

यहां रहा घना कोहरा

अजमेर, जोधपुर, बीकानेर और जयपुर संभाग के 10 से ज्यादा जिलों में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। हालांकि दोपहर में हल्की धूप ने लोगों को ठिठुरन से राहत मिली। इधर, मौसम विभाग के अनुसार बादल हटने के बाद सर्द हवा शुरू हो गई, जिससे ठंड बढ़ गई।

माउंट आबू में पारा सबसे नीचे, डूंगरपुर में ऊपर

हिल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां तापमान एक से दो डिग्री सेल्सियस तक और गिर सकता है। सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। जयपुर में बुधवार को अधिकतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। वहीं, सर्वाधिक तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस डूंगरपुर में रहा।

ये भी देखें...

'राज व रिवाज' बदलने पर अपने-अपने दावे पेज-2
आगे बढ़ेगा विकास का पहिया या लगेगा ब्रेक पेज-3
मरुभूमि की रौनक बने मेहमान परिंदे कुरजां पेज-4
'नई सरकार' फिल्म का ट्रेलर आज शाम को पेज-5

भारतीयों के लिए खुशखबरी

अमेरिका करेगा वर्किंग वीजा नवीनीकरण, भारतीयों को अधिक लाभ

- एच-1बी वीजा की कुछ श्रेणियों के लिए होगा प्रायोगिक कार्यक्रम
- पहले कार्यक्रम में जारी होंगे 20,000 वीजा
- पासपोर्ट पर वीजा की मुहर लगाना, कागज चिपकाना अब अतीत की बात

एजेंसी | नई दिल्ली/वाशिंगटन

अमेरिका दिसंबर में एच-1बी वीजा की कुछ श्रेणियों के नवीनीकरण के लिए एक प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है, जिसमें खासतौर पर बड़ी संख्या में भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को लाभ होगा। एच-1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को खास पेशों में विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की इजाजत देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां प्रति वर्ष भारत और चीन जैसे देशों से हजारों की संख्या में कर्मचारी भर्ती करती हैं।

प्रायोगिक कार्यक्रम में केवल 20,000 उम्मीदवारों को शामिल किया जाएगा और इसकी घोषणा उस वक्त की गई थी जब जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी।

यह बोलीं, यूएस की उप सहायक विदेश मंत्री

वीजा सेवाओं के लिए उप सहायक विदेश मंत्री जूली स्टफ्ट ने 'पीटीआई' से एक साक्षात्कार में कहा , 'भारत में मांग (अमेरिकी वीजा) अब भी बहुत ज्यादा है। हम नहीं चाहते की प्रतीक्षा अवधि छह, आठ और 12 महीने हो...।' उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यात्रियों को जितना जल्दी हो सके, साक्षात्कार का वक्त मिले। हम एक ओर इसे घरेलू वीजा नवीनीकरण कार्यक्रम के माध्यम से कर रहे हैं, जो काफी हद तक भारत पर केंद्रित है।' उन्होंने कहा, 'हम पहले समूह में 20,000 वीजा जारी करेंगे। इसमें बहुतायत अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों की होगी और आगे हम इसका विस्तार करेंगे।'

पेपरलेस वीजा का कार्यक्रम सफल: स्टफ्ट ने बताया कि अमेरिका ने 'कागजरहित वीजा' जारी करने संबंधी एक प्रायोगिक कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है। हाल ही में डबलिन में अपने राजनयिक मिशन में छोटे स्तर पर कार्यक्रम पूरा किया है और वह इसे बड़े पैमाने पर शुरू करने की योजना बना रहा है।

भारतीय अमेरिकी खुश: स्टफ्ट ने कहा,'इसका व्यापक इस्तेमाल करने में हमें शायद 18 महीने या इससे भी अधिक समय लगेगा...।' एक बयान में, भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता अजय जैन भूटोरिया ने खुशी का इजहार करते हुए अमेरिका के विदेश विभाग के इस कदम को "महत्वपूर्ण" बताया।

साक्षात्कार की जरूरत नहीं

स्टफ्ट ने कहा,'चूंकि भारतीय अमेरिका में दक्ष पेशेवरों का सबसे बड़ा समूह है, इसलिए हमें उम्मीद है कि इससे भारत को फायदा होगा और लोगों को वीजा नवीनीकरण के लिए वापस भारत अथवा अन्य कहीं जाने और साक्षात्कार देने की जरूरत नहीं होगी।' विदेश मंत्रालय कुछ समय से प्रायोगिक आधार पर इस तरह का कार्यक्रम शुरू करने की दिशा में काम कर रहा था, लेकिन पिछले दिनों इसकी औपचारिक तौर पर घोषणा की गई।

जरूरी खबर

वीवीपैट पर्चियों से होगा ईवीएम का मिलान

बेधड़क, जयपुर। मतगणना में निष्पक्षता के लिए कंट्रोल यूनिट में दर्ज वोटों की गिनती के साथ डाकमत पत्र, ईटीपीबीएमएस के अलावा रेंडम आधार पर चयनित वीवीपेट स्लिपों की भी गणना की जाएगी। मतगणना के बाद प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों से लॉटरी से 5-5 वीवीपैट का चयन कर उसकी पर्चियों की गणना को ईवीएम से प्राप्त मतों से मिलान किया जाएगा। रिटर्निंग ऑफिसर-पर्यवेक्षकों की निगरानी और उम्मीदवार या उनके एजेंटों के समक्ष वीवीपैट मशीन से निकली पर्चियों की मतगणना और मिलान होगा।

कई देशों से आए प्रतिनिधियों ने देखा डिजिटल म्यूजियम

बेधड़क,जयपुर। राजस्थान विधानसभा के डिजीटल म्यूजियम को देखने बुधवार को 35 देशों के अधिकारी पहुंचे। इसमें विधानसभा संचालन के विभिन्न डिजीटल दृश्यों, मॉडल्स और चित्रों को देखकर विभिन्न देशों के अधिकारी अभिभूत हो उठे। गौरतलब है कि 35 देशों के ये अधिकारी दी इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में डाटा एनालिटिक्स एंड रिस्क विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। यह दल शैक्षणिक भ्रमण के दौरान जयपुर यात्रा पर है। इस दल में श्रीलंका, म्यांमार, फीजी, गुनिया, केन्य, कंबोडिया, मैक्सिको, ओमान, किजिगस्तान, साउथ सूडान, तजाकिस्तान, ट्रिनिडेड एंड टोबेगो, मेडास्कर, इंडोनेशिया, सहित अन्य देशों के अधिकारी शामिल रहे।

गांवों में स्वास्थ्य के क्षेत्र में होना चाहिए काम: जस्टिस होरा

बेधडेक,जयपुर। सिडार्ट, एचएसएफ और अरावली के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का समापन बुधवार को हुआ। समापन सत्र में जस्टिस जीएस होरा ने कार्यशाला में कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में पंचायतों में काम होना चाहिए और इस तरह की कार्यशाला बहुत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि पंचायत रीढ़ की हड्डी है, इसके बिना विकास संभव नहीं है। दूसरे दिन प्रतिभागियों ने पंचायती राज सशक्तिकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए आगामी सालों में किए जाने वाली कार्य योजना के बारे में अपनी राय प्रस्तुत की।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल जारी: 10वीं और 12वीं में शत-प्रतिशत सिलेबस से पूछे जाएंगे सवाल

बोर्ड पैटर्न पर 11 से 22 दिसंबर तक दो पारियो में होगी परीक्षा

बेधड़क | जयपुर

जिला समान परीक्षा योजना के तहत सत्र 2023-24 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल बुधवार को घोषित कर दिया गया। जिले में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षा 11 से 23 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। अर्द्धवार्षिक परीक्षा दो पारियों में होगी।

प्रथम पारी में सुबह 9 से दोपहर 12.15 बजे और दूसरी पारी में दोपहर 12 .45 से 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं 10वीं कक्षा की सभी परीक्षा पहली पारी में और 9वीं कक्षा की परीक्षा दूसरी पारी में होगी। इसके अलावा 11वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं विषयवार दोनों पारियों में आयोजित की जाएगी। कक्षा 10वीं और 12वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के प्रश्न पत्र बोर्ड परीक्षा पैटर्न पर तैयार किए जाएंगे और शत प्रतिशत पाठ्यक्रम में से प्रश्न पूछे जाएंगे। जबकि 9वीं और 11वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षा में 70 फीसदी पाठ्यक्रम में से प्रश्न पत्र तैयार किया जाएगा। प्रायोगिक परीक्षाएं स्कूल स्तर पर ही करवाई जाएगी। प्रदेश में 13 दिन की अर्द्धवार्षिक परीक्षा के बाद 25 दिसंबर से स्कूलों में शीतकालीन छुट्टियां शुरू हो जाएगी। इसके बाद स्कूल 6 जनवरी को खुलेंगे। कक्षा 6 से 8 तक की परीक्षा विद्यालय स्तर पर ही होगी।

सवा तीन घंटे में हल करना होगा प्रश्न पत्र

विद्यार्थियों को अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का प्रश्न पत्र हल करने के लिए 3.15 घंटे का समय मिलेगा। शिक्षा विभाग ने प्रश्नपत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों का पैटर्न भी जारी कर दिया है। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में बहुविकल्पीय, अति लघु उत्तरीय, लघु उत्तरीय, निबंधात्मक प्रश्नों को शामिल किया जाएगा। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्र वितरण के लिए ब्लॉकवार केंद्र गठित किए गए हैं। जिले के प्राइवेट स्कूलों को प्रश्न पत्र का वितरण संबंधित संकुल विद्यालय से किया जाएगा। प्रश्न पत्रों का वितरण अगले महीने होगा। परीक्षा शुरू होने के बाद दो घंटे पहले परीक्षार्थी के बाहर आने पर रोक रहेगी। जयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों कों प्रश्न पत्रों का वितरण 8 से 12 दिसम्बर को सुबह 9 बजे से समान परीक्षा केन्द्र महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सेक्टर 1 मालवीय नगर में किया जाएगा।

9वीं व 10वीं की परीक्षा का ये रहेगा क्रम

9वीं व 10वीं कक्षा की 11 दिसंबर को अंग्रेजी, 12 को हिंदी, 13 को राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परंपरा, 14 को गणित, 16 को विज्ञान, 18 को सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाएं, 19 को संस्कृत, उर्दू , सिंधी, 20 को शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा विषयों की परीक्षा होगी। वहीं 11वीं व कक्षा 12वीं की 11 दिसंबर को अंग्रेजी अनिवार्य, 12 को हिंदी अनिवार्य, 13 को लेखा शास्त्र, कृषि विज्ञान, 14 को संस्कृत साहित्य और संगीत, 15 को भौतिक विज्ञान,व्यवसाय अध्ययन, राजनीति विज्ञान, 16 को भूगोल, 18 को जीव विज्ञान, कृषि जीव विज्ञान, इतिहास, 19 को गणित, 20 को उर्दू साहित्य, 21 को रसायन विज्ञान,कृषि रसायन,अर्थशास्त्र, 22 को आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत की परीक्षा होगी।

"विधानसभा चुनाव की व्यस्तताओं और व्यवस्थाओं के बावजूद समय पर अर्धवार्षिक परीक्षाएं हो रही हैं। सभी शिक्षक अपने विषय का कोर्स पूरा कराते हुए बच्चों को परीक्षाओं के लिए मानसिक संबल भी प्रदान करें। विद्यार्थी अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं को गंभीरता से लेते हुए पूर्ण तैयारी करें। नियमित अध्ययन और अध्यापन अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद करेंगे।

राजेंद्र शर्मा हंस, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, जयपुर।

भाजपा-कांग्रेस को बहुमत की सरकार बनाने का भरोसा

'राज व रिवाज' बदलने पर अपना-अपना दावा

■ कांग्रेस योजनाओं से बता रही है जीत, BJP पीएम के चेहरे पर भर रही दम

बेधड़क, जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनावो के परिणाम को लेकर अब उल्टी गिनती शुरू हो गई हैं। चुनावो के बाद अब प्रदेश की दोनों प्रमुख पार्टिया जीत के अपने अपने दावे कर रहीं है। पिछले पांच साल सत्ता में रही कांग्रेस 10 गारंटियों और आगामी 5 साल के लिए दी 7 गारंटियों के आधार पर बहुमत से सरकार बनाने बनाने का दवा कर रही है। वहीं विपक्षी दल भाजपा केंद्र सरकार के कार्य और प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे के आधार पर प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का दम भर रही है। बहरहाल, अब जनता ने अपना फैसला ईवीएम में कैद कर दिया हैं और 3 दिसम्बर को मतगणना के साथ ही जनादेश सामने आ जाएगा। चुनाव नतीजे आने के बाद साफ हो जाएगा कि प्रदेश में किस दल के दावे दमदार है तो किसके दावे फुस्स हुए।

मोहब्बत की दुकान खोलने के सिद्धांत की होगी जीत: डोटासरा

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को अपने आवास पर मिडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा का धार्मिक ध्रुवीकरण का एजेंडा विफल रहा। मतदान के बाद जो रुझान जनता, राजनीतिक विश्लेषकों से आ रहे हैं उन सबसे एक ही बात निकलकर आ रही है कि राजस्थान में राज नहीं, बल्कि रिवाज बदलेगा। कांग्रेस पार्टी राजस्थान में एक बार फिर पूरे बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी।

डोटासरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण प्रमुख एजेंडा रहता है, लेकिन हमारी सरकार ने जिस तरह से सबको साथ लेकर काम किया हैं उससे राजस्थान में इनका यह एजेंडा नहीं चल पाया। डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं व राज्य के बेहतर प्रशासन के मॉडल की पूरे देश में चर्चा है और उनको अपनाने की भी होड़ मची है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई 10 गारंटिया और दुबारा सरकार बनने पर दी जाने वाली 7 गारंटियों पर जनता ने विश्वास कर अधिकाधिक संख्या में कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। ऊर्जावान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दम पर पार्टी प्रदेश में दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा में उठाए गए मुद्दों का समर्थन करते हुए नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के सिद्धान्त पर कांग्रेस के पक्ष में अधिकाधिक मतदान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मतदाताओं ने लोकतंत्र के पर्व में अधिकाधिक संख्या में मतदान करते हुए पिछली बार हुए मतदान किया, इसके लिए सभी मतदाता साधुवाद के पात्र हैं।

चुनाव परिणाम को भांपकर कांग्रेस में हताशा: पंचारिया

भाजपा के चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बुधवार को राजस्थान में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का दावा करते हुए कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बयानों में बेहद हताशा नजर आ रही है। इन बयानों से यह साफ नजर आ रहा है उन्होंने अपनी हार मान ली हैं। वहीं 3 दिसंबर को भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। पंचारिया ने कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में लोकतंत्र का हवाला देते हुए जनता के फैसले को सर्वोपरी बता रहे हैं। इस बयान में कांग्रेस की हताशा झलक रही है, जबकि गहलोत सरकार के ही मंत्री भी इसी तरह के बयान दे रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस की हार और भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। पंचारिया ने कहा कि राज्य की जनता ने उत्साह के साथ मतदान किया है। पिछले पांच साल से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। इस दौरान प्रदेश की जनता ने बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न और तुष्टीकरण का दंश झेला हैं।

ऐसे में जनता ने कांग्रेस को उखाड फेंकने का कार्य किया। मतदान के बाद राजस्थान कांग्रेस के नेताओं ने भी इसे स्वीकार कर लिया। पंचारिया ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के 90 सीटों वाले बयान को गलतफहमी बताते हुए कहा कि प्रदेश की जनता द्वारा किए गए भरपुर मतदान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष की गलतफहमी दूर हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि 156 प्लस की बात करने वाले वोटिंग के चार दिन बाद ही 156 से सीधे 90 पर आ गए और आगे के चार दिन बाद जब मत पेटी खुलेगी तो 90 सीट का आंकलन 50 से नीचे रह जाएगा। राजस्थान की जनता कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त रही है। अब जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन का सूर्योदय होता देखेंगी।

मुख्य रजिस्ट्रार ने जारी किए आदेश

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में आनाकानी पर लगेगा जुर्माना

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन में नए नियम जोड़े गए हैं। इसके तहत अब निकायों में कोई भी रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु का पंजीकरण या प्रमाण पत्र जारी करने में आनाकानी करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान किया है।

इस संबंध में हालही में मुख्य रजिस्ट्रार ने आदेश जारी किए हैं। आदेश के मुताबिक अगर कोई रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार अपने क्षेत्र में हुई जन्म-मृत्यु की घटना के बाद सूचना देने वाले को प्रमाण पत्र देने या रजिस्ट्रेशन करने में बिना कोई कारण के इनकार करता है तो उस पर 250 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार की ओर से अगर कोई ऐसा आदेश या कार्रवाई की जाती है, जिससे कोई व्यक्ति पीड़ित होता है तो उस कार्रवाई के खिलाफ मुख्य रजिस्ट्रार या जिला रजिस्ट्रार के यहां अपील कर सकता है। अपील का यह प्रावधान भी इस बार जोड़ा गया है। व्यक्ति के अपील करने के 90 दिन के अंदर मुख्य रजिस्ट्रार या जिला रजिस्ट्रार को उसका निस्तारण करना जरूरी होगा।

जनगणना का सही डेटा कलेक्शन करना है मुख्य उद्देश्य

मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) भंवर लाल बैरवा ने बताया कि केंद्र सरकार से मिली गाइडलाइन में इस बार राज्यों को अपने यहां दर्ज होने वाले जन्म-मृत्यु के डेटा को भी केंद्र से रेगुलर शेयर करने के आदेश हैं। इसका सभी राज्यों को सख्ती से पालन करना जरूरी है। इसका मुख्य उद्देश्य जनगणना का सही डेटा कलेक्शन करना है, क्योंकि कई बार जनगणना में देरी होती है। ऐसे में जन्म-मृत्यु के सही आंकड़े से इसका कैलकुलेशन करना आसान हो जाता है। इसी तरह अगर कोई हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, अनाथालय या अन्य संस्था अपने यहां हुई जन्म-मृत्यु की घटना की जानकारी देने में देरी करता है तो उस पर भी जुर्माना राशि को बढ़ाकर एक हजार रुपए किया गया है। पहले यह राशि 50 रुपए या उससे भी कम लगती थी।

वेटरनरी ऑफिसर भर्ती परिणाम पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर। वेटरनरी ऑफिसर भर्ती 2020 का फाइनल परिणाम जारी करने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने डॉ. किशना राम की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया। याचिका में कहा गया था कि आरपीएससी ने इंटरव्यू में सामान्य वर्ग से ज्यादा अंक लाने वाले रिजर्व कैटेगरी के अभ्यर्थियों को शामिल नहीं किया, जिससे मेरिटोरियस अभ्यर्थी नियुक्ति से वंचित हो रहे हैं। इस पर हाईकोर्ट ने इंटरव्यू का परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी। हालांकि कोर्ट ने इंटरव्यू प्रक्रिया को लेकर किसी तरह की रोक नहीं लगाई है। ऐसे में आरपीएससी इंटरव्यू जारी रख सकती है। कोर्ट ने आरपीएससी व राज्य सरकार से जवाब भी मांगा है।

नकदी और जेवरात पर हाथ साफ

पूर्व मंत्री रिणवां के घर को चोरों ने बनाया निशाना

बेधड़क | जयपुर

पूर्व मंत्री और सरदारशहर से भाजपा प्रत्याशी राजकुमार रिणवां के जयपुर स्थित घर से चोर लाखों रुपए की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर गए। 25 नवंबर को वोटिंग के लिए परिवार के सभी लोग सरदारशहर गए थे। इस दौरान चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाया। इस मामले की राजकुमार रिणवा के बेटे सौरभ रिणवा ने विद्याधर नगर थाना पुलिस को शिकायत दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत में सौरभ ने बताया कि वे परिवार सहित विद्याधर नगर स्थित 9/31 में रहते हैं। उनके पिता राजकुमार रिणवा सरदार शहर चूरू से भाजपा प्रत्याशी हैं। पिता के लिए चुनाव प्रचार करने के लिए वे 5 नवंबर को परिवार के साथ सरदारशहर (चूरू) गए थे। परिवार के अन्य लोग भी 22 नवंबर को शाम 7.30 बजे सरदार शहर चले गए थे।

सौरभ ने बताया कि 27 नवंबर को उनकी पत्नी कौशल रिणवा शाम करीब 7.15 बजे विद्याधर नगर घर पर पहुंची तो घर की लाइट जली हुई थी और घर का दरवाजा खुला था। अंदर जाकर देखा तो घर के मेन गेट का ताला टूटा था। अंदर अलमारियां खुली थी, जो सरिए से तोड़ी हुई थी और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त था। कमरों में जेवरात के बॉक्स खाली पड़े हुए थे और घर में रखा लॉकर गायब था। शादी के लिए घर मे रखे हुए लगभग 11-12 लाख रुपए और सोने-चांदी के गहने शातिर चोर चुरा ले गए।

सत्ता की जुगत में जुटी दोनों पार्टियां

भाजपा-कांग्रेस में चुनाव बाद की स्थितियों पर तैयार हो रही रणनीति

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव नतीजे आने से पूर्व ही कांग्रेस और भाजपा ने स्थितियों का आंकलन कर आगामी रणनीति बनाना शुरू कर दिया है।

प्रदेश में सरकार कौन बनाएगा, इसका पता तो तीन दिसंबर को मतगणना होने पर ही चल पाएगा, लेकिन किसी भी विशेष परिस्थिति में सरकार बनती या गिरती दिखाई दी तो इसके लिए दोनों पार्टी के दिग्गज अभी से ही जोड़-तोड़ की राजनीति में जुट गए हैं। सूत्रों के मुताबिक चुनाव परिणाम में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने पर निदर्लीयों को साधने के अलावा तीसरे मोर्चा के जिताऊ उम्मीदवार से भी संपर्क किया जा रहा है। वहीं भाजपा और कांग्रेस जीत को लेकर अपने-अपने दावे भी कर रही है। दोनों पार्टियों के आला नेता पूरे बहूमत से सरकार बनाने की बात कह रहे हैं।

इसके लिए पार्टियों के आला नेताओं के बीच विचार-विमर्श शुरू हो गया है। इसमें संभावित परीणाम का आंकलन कर सरकार बनाने की रणनीति तय की जा रही है। सीटों की गणित को लेकर भी नेताओं के बीच चर्चा का दौर चल रहा है और इसी के आधार पर आगे की योजना तैयार की जा रही है।

कांग्रेस सरकार में वापसी के लिए तो भाजपा सत्ता प्राप्ति के लिए जद्दोजहद में जुटी हुई है। दोनों पार्टियों के नेताओं की ओर से प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का दावा कितना और किसका सच होता है ये चुनाव परिणाम आने के बाद देखना रोचक रहेगा।

सीएम और डोटासरा दिल्ली में

चुनाव सम्पन्न होने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा एक साथ दिल्ली गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा दिल्ली में इस बारे में पार्टी के बड़े नेताओं के साथ चर्चा कर सकते हैं। उनका कार्यक्रम दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पुस्तक के विमोचन समारोह में शामिल होने का है। वहीं दूसरी ओर माना ये जा रहा है कि दोनों नेता प्रदेश के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर आला नेताओं से चर्चा कर सकते हैं।

भाजपा में शुरू हुई दिग्गजों की बैठक

सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त भाजपा के नेता भी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रणनीति बनाने में जुट गए हैं। प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह भी दिल्ली का दौरा कर चुके हैं। इसके अलावा स्थानीय नेतृत्व के साथ भी लगातार जुड़े हुए हैं।

जिताऊ सीटों पर फोकस

सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी 199 सीटों पर हुए चुनाव में से उन सीटों का फीडबैक ले रही है, जिन पर उसकी जीत निश्चित मानी जा रही है। इसके बाद उन सीटों पर नजर रखी जा रही है, जहां निर्दलीय प्रत्याशियों के जीतने की संभावनाएं अधिक है। इसमें कांग्रेस के बागियों को अपने पक्ष में रखना तो आसान होगा, लेकिन बहुमत का आंकड़ा पाने की स्थिति में यदि निर्दलीयों की आवश्यकता होती है तो भाजपा के बागियों से कैसे बात की जाए, इस पर चर्चा हो सकती है। हालांकि कांग्रेस की ओर से मतगणना से पूर्व किसी भी तरह की बाड़ेबंदी किए जाने से इंकार किया जा रहा है, लेकिन माना जा रहा है कि नतीजे आने के बाद आवश्यकता होने पर इसका इंतजाम किया जा सकता है।

जरूरी खबर

अवैध मादक पदार्थ बेचने वाला गिरफ्तार

जयपुर। ेह नागोरियान थाना पुलिस ने एक अवैध मादक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 7.50 ग्राम स्मैक बरामद की है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चन्द्र विश्नोई, एडिशनल डीसीपी रानू शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी नूर मोहम्मद (28) बरेली उप्र हाल बाबू का टीबा रामगंज का रहने वाला है। उसके कब्जे से 7.50 ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपी नूर मोहम्मद ने बताया कि वह स्मैक 2500 रुपए प्रतिग्राम में खरीदकर 3000 रुपए प्रतिग्राम के हिसाब से छोटी छोटी पुड़िया बनाकर बेचता था।

जिला पुलिस कार्यालयों का स्थान परिवर्तन

जयपुर। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के निर्देशों पर कमिश्नरेट के तहत आने वाले जिला कार्यालयों का स्थान में बदला गया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) आयुक्तालय का कार्यालय कलेक्ट्रेट बनीपार्क से पूर्व होमगार्ड डीजी ऑफिस जलेब चौक जयपुर में, पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आयुक्तालय का कार्यालय पूर्व पुलिस उपायुक्त (उत्तर) आयुक्तालय से ऑफिस कलेक्ट्रेट बनीपार्क जयपुर में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर- द्वितीय) आयुक्तालय, जयपुर का कार्यालय पूर्व पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आयुक्तालय से ऑफिस मनी सचिवालय बनीपार्क जयपुर किया है। सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्रीनगर, आयुक्तालय का कार्यालय पूर्व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (प.) आयुक्तालय, जयपुर कलेक्ट्रेट बनीपार्क जयपुर में संचालित किया जाएगा।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

बारिश से राजधानी में गिरा दो डिग्री पारा, दो दिन बाद सर्दी और बढ़ने की संभावना

सुबह कोहरा, दिन में बादल और शाम को सर्द हवा ने ठिठुराया

बेधड़क | जयपुर

पश्चिमी विक्षोभ के चलते हुई बारिश के कारण राजधानी के मौसम में लगातार सर्दी बढ़ती जा रही है। शहर में बुधवार की सुबह कोहरे से ढंकी थी और दिन बादलों की ओट में गुजरा। इसके बाद शाम को चली ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। इससे रात को कड़ाके की ठंड रही।

मौसम विभाग की मानें तो आज से इस महीने के अंत तक प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश हो सकती है। ऐसे में यह तो साफ है कि अब प्रदेशभर में ठिठुरन भरी सर्दी का कहर जारी रहेगा।

फोटो: राजेश कुमावत

जिले में कई जगह हल्की बूंदाबांदी

राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में बुधवार को भी बादल छाए रहे। तापमान में गिरावट के चलते लोगों को सर्दी का अहसास हुआ। जयपुर में न्यूनतम तापमान दो डिग्री कम होकर 13.7 पर आ गया है। शहर में दिनभर बादलों की आवाजाही के चलते कोहरा छाया रहा। हल्की बूंदाबांदी भी हुई। वहीं, घना कोहरे के कारण सड़कों पर विजिबिलिटी काफी कम रही। इस कारण सड़क मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही।

तीन दिन ऐसा रहेगा मौसम

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी 2 से 3 दिन बादल छाए रहेंगे और भरतपुर,जयपुर व कोटा संभाग के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर व कोटा संभाग के कुछ इलाकों में अगले तीन दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है। इसी प्रकार आगामी 2-3 दिन राज्य के कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

लोगों ने निकाले गर्म कपड़े

मौसम में एकदम से परिवर्तन होने से लोग भी गर्म कपडे पहनकर घूमते नजर आए। शहर के चारदीवारी, दिल्ली रोड, आदर्श नगर, शास्त्री नगर, टोंक रोड, सांगानेर सहित कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। वहीं, बादल छाने और बारिश से नमी के कारण रात में तापमान में गिरावट हो गई। सुबह बाजारों में चाय की दुकानों पर भीड देखी गई। रात होते ही मूंगफली और गजक की दुकानों पर लोग खरीदारी करते नजर आए।

सत्ता रिपीट या परिवर्तन तय करेगा शहर के बड़े प्रोजेक्ट्स की दिशा

आगे बढ़ेगा विकास का पहिया या लगेगा ब्रेक, भविष्य EVM में

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सरकार पार्टी कौन बनाएगी, किस नेता की किस्मत चमकेगी, सब पेटियों में बंद हो गए हैं। इसके साथ ही शहर के विकास का भाग्य भी मत पेटियों में बंद हो गया है।

सत्ताधारी पार्टी ने पिछले पांच साल में कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए। इनमें कई निर्माणाधीन हैं तो कई पाइपलाइन में हैं। ऐसे में अब इन प्रोजेक्ट का भविष्य आने वाली सरकार पर ही निर्भर रहने वाला है। ऐसे में सत्ता रिपीट हुई तो इन प्रोजेक्ट को पंख लग जाएंगे और राज बदला तो कई प्रोजेक्ट अधरझूल में रह सकते हैं। इसके पीछे कारण है कि पूर्व में ऐसा कई बार देखा गया है कि प्रदेश में सरकार बदलने के बाद नई आने वाली सरकार पिछली सरकार के अधिकांश प्रोजेक्ट्स को डंप कर देती है। अगर इस बार भी ऐसा ही होता है तो प्रदेश की सरकार बदलने के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण के एक दर्जन से अधिक प्रोजेक्ट हवा में लटक जाएंगे।

2018 में भी सरकार के परिवर्तन साथ ही हुए कई प्रोजेक्ट डम्प

योजनाओं को ठण्डे बस्ते में डालने की परम्परा नई नहीं है। पिछली सरकारों के समय भी सत्ता परिवर्तन पर नई सरकार ने कई योजनाओं को या तो डम्प कर दिया या फिर उनके स्वरूप को ही बदल दिया। झोटवाड़ा फ्लाई ओवर भाजपा सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का प्रोजेक्ट था, लेकिन सरकार बदलने के बाद प्रोजेक्ट के निर्माण की प्रक्रिया पूरी तरह धीमी हो गईं। द्रव्यवती नदी का प्रोजेक्ट भी तत्कालीन सरकार का प्रोजेक्ट था, लेकिन वर्तमान में इस योजना के हालात बहुत बुरे हैं। ऐसे में सम्भावना है कि इस बार भी अगर प्रदेश में सरकार बदलती है तो आने वाली सरकार पिछली सरकार की कई योजनाओं में प्रोजेक्ट्स को ठंडा बस्ती में डाल सकती है। इसके चलते जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माणाधीन तकरीबन एक दर्जन प्रोजेक्ट्स भी बंद हो सकते हैं।

ये प्रोजेक्ट निर्माणाधीन

स्वास्थ्य योजना को पंख लगाने वाला सवाई मानसिंह अस्पताल में बन रहा आईपीडी टावर, बी टू बाईपास पर बन रह पुलिया, लंबे समय से झोटवाड़ा क्षेत्र वासियों को दंश दे रही झोटवाड़ा पुलिया पर निर्माणधीन झोटवाड़ा फ्लाईओवर, जयपुर के चारों दिशाओं में खुलने वाले चार सेटेलाइट हॉस्पिटल, बड़ी चौपड़ से टांसपोर्ट नगर तक का मेट्रो ट्रेन फेज -2, शहर को सिग्नल फ्री करके यातायात जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने वाला सिग्नल फ्री प्रोजेक्ट जो लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर चालू हो चुका है। इसके अलावा बी टू बायपास, जवाहर सर्किल, ओटीएस चौराहा, जेडीए चौराहा, गांधीनगर मोड़, रामबाग सर्किल, चोमू सर्किल पर भी सिग्नल फ्री बनाने की योजना है। वहीं शहर में चार बस स्टैंड बनाने सहित कई प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं।

जेडीए ने की कार्रवाई

साढे तेईस बीघा भूमि पर बन रही चार कॉलोनियां ध्वस्त

बेधड़क | जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-14 में निजी खातेदारी की करीब 23.5 बीघा कृषि भूमि पर बन रही चार अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि जोन-14 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित चंदलाई में करीब 0.5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवाए भूमि को समतल कर श्री श्याम रेजिडेन्सी के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया। वहीं, जोन-14 के ग्राम तीतरया रोड में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवाए भूमि को समतल कर चन्दन वाटिका-1 और चन्दन वाटिका-2 के नाम से बन रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया गया।

इसी प्रकार जोन-14 के तीतरया रोड में चौथी करीब दो बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवाए रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें व अन्य अवैध निर्माण कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

पीएम-श्री विद्यालयों के संस्था प्रधानों की कार्यशाला

समर्पण से ही आएगा बदलाव

बेधड़क | जयपुर

शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि समर्पण भाव से कार्य करते हुए ही सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे आस-पास ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें संस्था प्रधानों के विशेष प्रयास दिखाई देते हैं। ऐसे लोगों से ईर्ष्या ना करके उनसे प्रेरणा लें। जैन शिक्षा संकुल में बुधवार को राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से पीएम-श्री विद्यालयों के संस्थाप्रधानों की एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने पीएम-श्री योजना में चयनित प्रदेश के विद्यालयों के संस्था प्रधानों को प्रेजेंटेशन एवं विभिन्न उदाहरणों व प्रसंगों के द्वारा इस योजना और योजना के तहत किए जाने वाले प्रयासों को समझाया। उन्होंने कहा कि पीएम-श्री योजना में आपके विद्यालय का चयन होने से आपको एक बेहतरीन अवसर प्राप्त हुआ है। इसके तहत आप अपने विद्यालय का समग्र रूपांतरण योजना के उद्देश्यों के अनुरूप कर सकेंगे। जब आप अपने विद्यालय में काम करें तो किसी अन्य स्कूल से तुलना नहीं करके स्वयं से तुलना कीजिए और बेहतरीन प्रयास विद्यालय के संपूर्ण परिवेश के उन्नयन के लिए करें।

रेलवे जीएम अमिताभ ने ली संरक्षा और कार्य समीक्षा बैठक

सर्दियों में सुरक्षित रेल संचालन पर फोकस

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में बढ़ती सर्दी के मौसम से रेल यातायात पर पड़ने वाले असर और रेल संरक्षा को लेकर रेलवे प्रशासन गंभीर हो चला है। इसको लेकर बुधवार को उप रेलवे के जीएम अमिताभ ने सभी विभागों व मंडलों के अधिकारियों को बैठक ली। बैठक में जीएम ने सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचालन के दिशा निर्देश प्रदान किए।

जीएम ने बैठक में वर्तमान सर्दियों के समय में सुरक्षित रेल संचालन के लिए संरक्षा के लिए सभी स्तर के निरीक्षणों पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुरक्षित

रेल संचालन में छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हादसों को रोकने के लिए विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

लोको पायलट को धुंध एवं कोहरे के मौसम में गति की मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने एवं सभी संकेतों की दृश्यता एवं कंट्रोल पैनल तथा ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट की गहन जांच के बारे में भी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि संरक्षा के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। रेलवे के लिए संरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में हमें और सतर्क और सजग रहकर अपना योगदान देना है। बैठक में जीएम अमिताभ ने सुरेंद्र जे, वरिष्ठ तकनीशियन हिसार को 26 नवंबर को हिसार स्टेशन पर गाड़ी संख्या 14731 के रोलिंग इन परीक्षण में एक डिब्बे की बोगी फ्रेम को डिफेक्टिव पाए जाने पर संभावित हादसे को रोकने एवं रमेश कुमार मीना, ट्रैक मेंटेनर को रेवाड़ी से अनाज मंडी के मध्य रात्रि गस्त के दौरान रात्रि 03.55 पर उप रेलवे लाइन पर रेल फैक्चर का पता लगते ही तुरंत स्टेशन मास्टर एवं उच्च अधिकारियों को सूचना देकर संभावित हादसे को रोकने के लिए सम्मानित किया।

चिकित्सा संस्थानों में मॉकड्रिल

रहस्यमयी चीनी बीमारी से बचाव की 'हमारी डॉक्टरी' व्यवस्थाएं जांची

बेधड़क | जयपुर

चीन में फैली रहस्यमयी बीमारी से बचाव और उसके संभावित खतरों को देखते हुए बुधवार को प्रदेश समेत जयपुर के चिकित्सा संस्थानों में मॉकड्रिल की गई। एसएमएस अस्पताल में भी यह मॉकड्रिल की गई। इस मॉकड्रिल में आईसीयू, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन और बेड्स की चिकित्सा व्यवस्थाओं को परखा गया। गौरतलब है कि वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने चीन में बच्चों में बढ़ रहे निमोनिया और सांस लेने की परेशानी पर चिंता जताई थी। इस रहस्यमयी बीमारी को लेकर प्रदेश के चिकित्सा महकमे की ओर से एडवाइजरी जारी की थी। बुधवार को इस एडवाइजरी की पालना में यह मॉकड्रिल की गई। जानकारी के अनुसार चीन की इस बीमारी के लक्षण निमोनिया जैसे हैं। ये बीमारी बच्चों को अपना शिकार बना रही है, जिसमें उन्हें खांसी, बुखार और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो रही हैं। इस बारे में एसएमएस अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि चीन में निमोनाइटिस के मरीज अचानक बढ़ने लग गए, जिनमें अधिकतर बच्चे हैं। इसे लेकर भारत सरकार ने जो एडवाइजरी जारी की। उसके बाद इस पर काम करते हुए राजस्थान के चिकित्सा महकमे ने भी दिशा निर्देश दिए हैं।

खुद चिकित्सा विभाग की एसीएस शुभ्रा सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर सभी चिकित्सा अधिकारियों और मेडिकल कॉलेज

फोटो: पंकज शर्मा

के डॉक्टर्स को इस संबंध में मॉकड्रिल कर तैयारी को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही मिलते-जुलते केस सामने आने पर उन्हें नोटिफाई करने की भी बात कही गई है। इसी को लेकर बुधवार को अस्पताल में मॉकड्रिल किया गया। उन्होंने बताया कि जहां तक बच्चों का सवाल है तो जयपुर में एसएमएस मेडिकल कॉलेज से जुड़ा जेके लोन अस्पताल है, जहां सभी तरह की व्यवस्थाएं हैं। यदि पेशेंट किशोरावस्था में लो इम्यूनिटी, गर्भवती महिला, बुजुर्ग आते हैं तो उनके लिए यहां बेड्स, सेपरेट आईसीयू, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सप्लाई और दवाइयां की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है। वहीं, अगर ऑक्सीजन या दवाइयों की डिमांड बढ़ती है तो उसके लिए भी हम तैयार हैं।

कोरोना से जूझ चुका है विश्व

गौरतलब है कि चीन के अस्पतालों में इस तरह के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि, चीन ने इस बीमारी को लेकर डब्ल्यूएचओ की ओर से मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। चूंकि विश्व हाल ही में कोरोना से जूझा है। ऐसे में इस बार कोई भी कोताही नहीं बरती जा रही है। भारत में भी इसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवाइजरी पहले ही जारी कर दी थी, जिसकी पालन सुनिश्चित करते हुए प्रदेश के चिकित्सा विभाग के निर्देश पर सभी मेडिकल कॉलेज और बड़े सरकारी अस्पताल में मॉकड्रिल की गई।

यहां के लैब में होगी मरीजों के सैंपल की जांच

राजस्थान में अब इन्फ्लूएंजा के मरीज, सांस संबंधी गंभीर के मरीज जो अस्पताल में भर्ती होंगे, उनके सैंपल जयपुर, जोधपुर, उदयपुर लैब में भेजे जाएंगे। यहां पर मरीजों के सैंपल की जांच की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर्स, लैब टेक्नीशियन, एंबुलेंस, ऑक्सीजन प्लांट्स को तैयार रखने का निर्देश दिया है। फिलहाल राजस्थान में अभी चिंता की कोई बात नहीं है। सिर्फ एहतियातन तैयारी के लिए राजस्थान स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

इन लैब में होगी सैंपल की जांच

राजस्थान में अब इन्फ्लूएंजा के मरीज, सांस संबंधी गंभीर मरीज जो अस्पताल में भर्ती होंगे, उनके सैंपल जयपुर, जोधपुर, उदयपुर लैब में भेजे जाएंगे। यहां पर मरीजों के सैंपल की जांच की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर्स, लैब टेक्नीशियन, एंबुलेंस, ऑक्सीजन प्लांट्स को तैयार रखने का निर्देश दिया है। फिलहाल राजस्थान में अभी चिंता की कोई बात नहीं है। सिर्फ एहतियातन तैयारी के लिए राजस्थान स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है।

जरूरी खबर

UIT एक्सईएन के ठिकानों पर एसीबी ने की कार्रवाई

कोटा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बुधवार को कोटा के नगर विकास न्यास के अधिशासी अभियंता कमल मीणा के ठिकानों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले को लेकर की गई है। टीम ने मीणा के निवास, यूआईटी में उनके दफ्तर और हॉस्टल की छानबीन की। इसके अलावा एसीबी टीम एसबीआई बैंक भी पहुंची और लॉकर्स की जानकारी ली। एसीबी के उप महानिरीक्षक कोटा कल्याणमल मीणा ने बताया कि एसीबी हेड क्वार्टर को कमल मीणा के बारे में इनपुट मिला था। इसके बाद कोऑर्डिनेटर करते हुए कोटा से तीन टीमें गठित कर रेड की कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अब तक कितनी संपत्ति का खुलासा हुआ है, यह आंकलन अभी नहीं किया जा सकता।

जिले में डायरिया का प्रकोप, बच्चे हो रहे ज्यादा प्रभावित

झालावाड़। प्रदेश में मौसम में बदलाव आने के साथ ही झालावाड़, झालरापाटन सहित आस-पास के इलाकों में डायरिया का प्रकोप देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में बच्चों का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। वहीं झालावाड़ के जिला अस्पताल में पिछले 24 घंटों में 30 से 35 बच्चों को भर्ती किया जा चुका हैं। हालांकि पीआईसीयू इंचार्ज डॉ. नरेंद्र के अनुसार सभी की हालत स्थिर बनी हुई है। बच्चों को उल्टी दस्त की शिकायत हो रही है। उनकी हालत फिलहाल सामान्य है।

हाईवे पर चलते ट्रक में लगी आग, माल जलकर खाक

भरतपुर। जिले से होकर गुजरने वाले नेशनल हाइवे-21 पर जयपुर से आगरा की ओर जा रहे एक ट्रक में मंलवार रात अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण ट्रक में रखा हुआ माल जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची सेवर थाना पुलिस ने मौके पर दमकल को बुलाकर आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का तो पता नहीं चल सका और मौके से ट्रक चालक भी गायब हो गया। बुधवार सुबह फिर से ट्रक में आग सुलग गई और राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर सेवर थाना पुलिस पहुंची। दमकल को बुलाकर आग पर फिर से काबू पाया गया।

कुरजां पक्षियों का पश्चिमी राजस्थान में डेरा: लाठी और देगराय वन्यजीव इलाकों में जलस्रोतों पर लगा जमघट

मरुभूमि की रौनक बने सात समंदर पार से आए मेहमान परिंदे

बेधड़क | जैसलमेर

राजस्थान में सर्दी बढ़ने के साथ ही विदेशी परिंदों की चहचहाट भी बढ़ गई है। मरू भूमि का माहौल पक्षियों की कलरव से गूंजता दिख रहा है। वहीं जलस्रोतों पर विदेशी परिंदों की अठखेलियां सैलानियों को खूब लुभा रही है।

हजारों किलोमीटर का सफर तय कर विदेशी पक्षी राजस्थान में पहुंच रहे हैं। पश्चिमी राजस्थान के रेतीले इलाकों में सात समंदर पार से आए कुरजां पक्षियों का जमघट तालाबों और अन्य जलस्रोतों पर दिखाई दे रहा है। पश्चिमी राजस्थान में डेरा डालने वाली कुरजां पक्षी इन दिनों जैसलमेर जिले के तालाबों की रौनक बढ़ा रही हैं। वन्यजीव के सबसे बड़े एरिया लाठी, देगराय इलाके में अब इनकी संख्या बढ़ने लगी है। वन्यजीव प्रेमियों के अनुसार, इलाके में पांच हजार से भी ज्यादा विदेशी मेहमान कुरजां ने डेरा डाल रखा है। जैसलमेर के ज्यादातर बड़े तालाबों वाले एरिया में इन पक्षियों का कलरव सुना जा सकता है। जैसे-जैसे तापमान में कमी आ रही है, वैसे-वैसे इन पक्षियों का आना लगातार जारी है।

दरअसल चीन, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि देशों में सितंबर के महीने में ही बर्फबारी शुरू हो जाती है। ऐसे में कुरजां पक्षी के लिए सर्दियों का वो मौसम उनके अनुकूल नहीं होता। कड़ाके की ठंड में खुद को बचाए रखने की जद्दोजहद में हजारों किलोमीटर का सफर तय करके ये कुरजां पश्चिमी राजस्थान का रुख करती है।

प्रदेश में छह महीने रहता है इन विदेशियों का डेरा

पश्चिमी राजस्थान जैसे गरम इलाके में सितंबर और अक्टूबर महीने से फरवरी तक शीतलहर चलती है। इस लिहाज से इस पक्षियों के लिए ये मौसम काफी अनुकूल रहता है। इस दौरान करीब पांच से छह महीने के लिए कुरजां पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर अपना डेरा डालती हैं। इन दिनों जैसलमेर जिले के लाठी, खेतोलाई, डेलासर, धोलिया, लोहटा, चाचा, देगराय ओरण सहित अन्य जगहों पर कुरजां पक्षियों के झुंड नजर आ रहे हैं। पर्यावरण और पक्षी प्रेमियों को कुरजां की अठखेलियां खूब लुभा रही हैं। वे इन इलाकों का भ्रमण करते हुए पक्षियों पर शोध भी कर रहे हैं।

आबादी से दूर एकांत में रहने वाला शर्मिला पक्षी

पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह ने बताया कि कुरजां एकांत प्रिय मिजाज का पक्षी है। यह अपने मूल स्थानों पर इंसानी आबादी से काफी दूर रहता है, लेकिन जहां डेरा डालते हैं, वहां इंसानी दखल को नापसंद नहीं करते। ग्रामीण भी कुरजां को अपना मेहमान समझकर उनकी पूरी देखभाल एवं सुरक्षा करते हैं। गौरतलब है कि दक्षिण पूर्वी यूरोप एवं अफ्रीकी भू-भाग में डेमोसाइल क्रेन के नाम से विख्यात कुरजां पक्षी अपने शीतकालीन प्रवास के लिए हर साल हजारों मील की उड़ान भरकर भारी तादाद में क्षेत्र के देगराय, ओरण और लाठी इलाके के तालाबों तक आते हैं। मेहमान परिंदों का आना सितंबर महीने से शुरू हो जाता है। इनका प्रवास छह महीने तक रहता है।

नेशनल हाईवे-48 पर भीषण हादसा, कंटेनर ने कार को मारी टक्कर

रफ्तार का कहर... शादी से लौट रहे तीन भाइयों की मौत

बेधड़क | डूंगरपुर

जिले में मंगलवार की रात को रफ्तार का कहर बरपा, तेज रफ्तार कंटेनर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में तीन चचेरे भाइयों की जान चली गई। वहीं हादसे के बाद कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार तीनों चचेरे भाई शादी में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। हादसा बिछीवाड़ा थाना इलाके में नेशनल हाईवे-48 पर शिशोद गांव के पास हुआ। देर रात करीब 1 बजे शिशोद गांव के पास पीछे से तेज गति से आ रहे एक कंटेनर ने युवकों की कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कंटेनर कार को करीब 30 फीट तक घसीटता हुआ आगे की ओर ले गया। हादसे में कार सवार पंकज, अक्षय और महेश के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आईं। इसके चलते तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

बिछीवाड़ा थाने के हेड कांस्टेबल शिशुपाल सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के भुवाली निवासी पंकज (25) पुत्र राकेश डामोर, अक्षय (27) पुत्र प्रवीण और महेश (26) पुत्र देवचंद डामोर चचेरे भाई थे। तीनों मंगलवार को कोतवाली थाना क्षेत्र के कुशल मंगरी गांव में एक रिश्तेदार के यहां शादी में गए थे। वे रात को वापस कार से घर लौट रहे थे। हाईवे पर हादसे के बाद मौके पर वाहनों का जाम लग गया। वहीं हादसा होते देख स्थानीय ग्रामीण और राहगीर मदद के लिए दौड़े। इस बीच लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी।

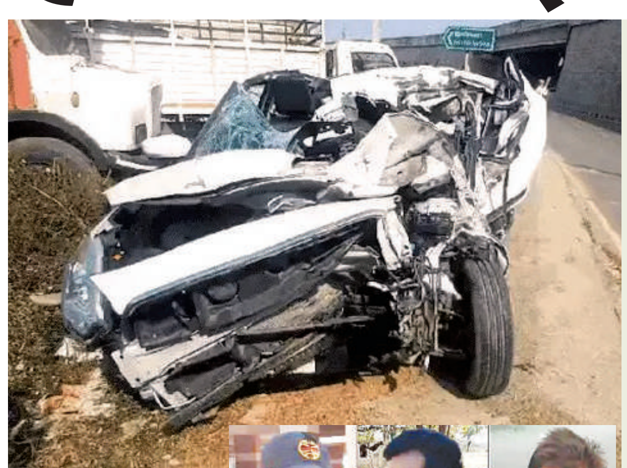

पंकज | महेश | अक्षय

कंटेनर चालक मौके से फरार

घटना की सूचना मिलने पर बिछीवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शवों को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने तीनों शवों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचना दी है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए गए। वहीं कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पति की मौत व पत्नी घायल

धौलपुर। एनएच- 123 पर उत्तर प्रदेश सीमा में चंदसोरा गांव के पास मंगलवार रात छोचक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे बाइक सवार पति-पत्नी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति की मौके पर मौत हो गई, वहीं पत्नी को हाईवे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पति के शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। घटना उत्तर प्रदेश सीमा में होने की वजह आगरा जिले की जगनेर थाना पुलिस को स्थानीय पुलिस ने अवगत कराया। बाड़ी उपखंड क्षेत्र के गांव मठ लखई निवासी 35 वर्षीय हरिकेश पत्नी नीतू (32) को साथ लेकर भरतपुर जिले के रुदावल थाना क्षेत्र के गोसाई का नगला गांव में छोचक कार्यक्रम में शामिल होने गया था। बीती रात हरिकेश पत्नी को साथ लेकर बाइक से घर के लिए रवाना हुआ था। लेकिन एनएच 123 पर उत्तर प्रदेश के जगनेर थाना इलाके में चंदसोरा गांव के नजदीक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। दुर्घटना में हरिकेश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही पत्नी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। दुर्घटना को देख हाईवे पर निकल रहे राहगीरों ने घटना की सूचना हाईवे एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस की मदद से दंपति को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ परीक्षण कर पति हरिकेश को मृत घोषित कर दिया। इधर, पत्नी को जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।

चाचा-चाची और ताऊ की करतूत

ट्रैक्टर में बजरी भरने का मना करने पर किशोर को कपड़े उतारकर पीटा

बेधड़क | जोधपुर

ट्रैक्टर में बजरी भरने से मना करने पर 16 साल के किशोर को बुरी तरह से पीटने का मामला सामने आया है। किशोर के साथ मारपीट उसके चाचा-चाची और ताऊ ने की। तीनों ने कपड़े उतार कर बुरी तरह से किशोर को पीटा। इससे उसकी कमर और पीठ की चमड़ी तक उधड़ गई और पैरों पर लाल निशान हो गए।

मारपीट से घायल किशोर को जोधपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका आईसीयू में इलाज चल रहा है। मामला जोधपुर के लूणी थाना क्षेत्र के एक गांव में 22 नवंबर का है। मंगलवार (28 नवंबर) शाम कोलकाता से गांव लौटे किशारे के पिता ने रात करीब 8 बजे थाने में शिकायत दी। पुलिस ने बुधवार सुबह मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लूणी थाना के एसआई मोहम्मद हनीफ ने बताया कि नाबालिग के पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया कि वह ट्रक ड्राइवर है। 22 नवंबर को ट्रक लेकर कोलकाता निकल गया था।

घर पर पत्नी और 16 साल का बेटा ही था। उसी दिन शाम को करीब 4 बजे उसके छोटे भाई ने बेटे को कांकाणी (लूणी) के जम्भेश्वर नगर स्थित खेत पर बुलाया था। खेत पर छोटा भाई, उसकी पत्नी और बड़ा भाई एक ट्रैक्टर में बजरी भर रहे थे। तीनों ने मेरे बेटे को बजरी भरने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। बेटे के मना करते ही तीनों उसे डांटने लगे और पिटाई शुरू कर दी। पिता ने बताया कि तीनों उसे पकड़कर खेत में बनी झोपड़ी में ले गए और उसके कपड़े उतार कर लाठी और प्लास्टिक के पाइप से बुरी तरह पीटा। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी हमला किया, जिससे वह घायल हो गया।

जिला अस्पताल में भर्ती एक घायल की हालत नाजुक

स्कॉर्पियो खाई में गिरी, दो की मौत

बेधड़क | बाड़मेर

जिले में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

हादसा जिले के चौहटन थाना क्षेत्र के चौहटन-बाखासर सड़क मार्ग पर हुआ, जहां एक स्कॉर्पियो बेकाबू होकर खाई में जा गिरी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हादसे में एक इंस्पेक्टर और पूर्व सरपंच की मौत हुई है। चौहटन वृताधिकारी सुखराम बिश्नोई ने बताया कि बाखासर-चौहटन सड़क पर कोनरा फांटा के पास धनाऊ से चौहटन की ओर जा रही एक स्कॉर्पियो अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया के पास खाई में गिरकर पलट गई। हादसे में भीखाराम विश्नोई और खबड़ खान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हनुमानराम नाम का एक शख्स घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। साथ ही मृतकों के शव को चौहटन अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। वृताधिकारी ने बताया कि मृतक भीखाराम विश्नोई सीआईडी बीआई में बतौर इंस्पेक्टर तैनात थे।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। सूचना पर स्थानीय थाने के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। ऐसे में स्कॉर्पियो में फंसे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

युवक ने बिना दहेज शादी कर पेश की अनूठी मिसाल

हेलिकॉप्टर से दुल्हन लेने पहुंचा दूल्हा

बेधड़क | अजमेर

जिले से करीब 20 किलोमीटर दूर किशनगढ़ में पहली बार वाल्मीकि समाज के घर हेलीकॉप्टर से बारात आई। सारी रस्म रिवाज होने के बाद दुल्हन को हेलीकॉप्टर में लेकर जाने का नजारा देखकर हर कोई रोमांचित हो उठे।

चित्तौड़गढ़ जिले के अकोला गांव से बारात लेकर किशनगढ़ पहुंचा था। दूरदराज से लोग हेलीकॉप्टर को देखने के लिए किशनगढ़ पहुंचे। यह शादी चर्चा का विषय बनी रही। हेलीकॉप्टर के साथ-साथ यह शादी चर्चा का विषय इसलिए भी बनी रही कि आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सुनील धन्जा की बेटी की बारात किशनगढ़ पहुंची। दहेज में लड़की के पिता की ओर से दी गई नकदी को दूल्हे के पिता ने लेने से मना कर दिए। यह शादी इसलिए भी खास रही कि दुल्हे ने एक मिसाल की। दहेज में एक रुपए और नारियल लेकर रस्म अदा की गई। स्नेहा की विदाई के समय ग्रामीणों का तांता लगा रहा है।

वहीं, जब स्नेहा ससुराल चित्तौड़गढ़ के अकोला गांव में भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। हेलीकॉप्टर की प्रशासनिक अनुमति शादी समारोह के लिए होने के चलते पुलिस भी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रही।

भर्ती एजेंसी शिफू पर अभ्यर्थी उठा रहे हैं सवाल

फंसा पेच: नर्सिंग-पैरामेडिकल भर्ती में देरी होने से टूट रहे अभ्यर्थियों के सपने

बजरंग लाल बुनकर | बेधड़क

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की नर्सिंग-पैरामेडिकल भर्ती के अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। भर्ती एजेंसी राज्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (शिफू) इन भर्तियों पर कछुआचाल से काम कर रही है।

शिफू ने आचार संहिता का बहाना बनाकर डेढ़ महीने तक चुनाव प्रक्रिया के दौरान भर्तियों को लेकर कुछ खास काम नहीं किया है। आचार संहिता हटते ही अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिल जाए यह कहना बेमानी लग रहा है। वहीं इन भर्तियों को समय पर पूरा किया जाता तो अस्पताल में खाली पड़े चालीस हजार पदों को भरा जा सकता था। इससे प्रदेश के चिकित्सा तंत्र को मजबूती मिलती। साथ ही इससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को फायदा मिलता। भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति की लगातार मांग कर रहे हैं। उनको चिंता है कि कहीं सरकार बदलते ही भर्तियां ठंडे बस्ते में नहीं चली जाए।

अब लिया 31 जनवरी तक का समय

चिकित्सा विभाग में सरकारी नौकरी पाना अभ्यर्थियों के लिए दूर का सपना साबित हो रहा है। भर्तियों की वर्तमान स्थिति यह है कि भर्ती में बार-बार गड़बड़ी सामने आने पर सैंकड़ों रिट कोर्ट में लग चुकी है। इन रिटों के जवाब देते-देते थक चुकी शिफू ने अब 31 जनवरी तक का समय कोर्ट में जवाब देने के लिए मांगा है। जानकारों के अनुसार जरूरत से ज्यादा विभिन्न न्यायिक विवादों, अनुभव प्रमाण पत्र व बाहरी राज्यों की डिग्री की जांच जैसे कई मामले सामने आने पर यह निर्देश कोर्ट ने दिए है। ऐसे में 31 जनवरी के बाद ही भर्ती पर कुछ कार्यवाई हो सकेगी।

अभ्यर्थियों को सता रही चिंता

भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को यह चिंता सता रही है कि कहीं राज्य में सरकार बदलते ही भर्तियां रद्द नहीं हो जाए। आशंका है कि भर्ती में बार-बार विवाद सामने आने पर नई सरकार इससे बचने के लिए ऐसा फैसला कर सकती है। ऐसा किया तो कई अभ्यर्थी ओवरऐज हो सकते हैं। वहीं नए नियम आने पर अपात्र भी हो सकते हैं। अभ्यर्थी प्रवीण, दिनेश, अरविंद आदि ने बताया कि सरकारी नौकरी के चक्कर में प्राइवेट नौकरी भी छोड़ दी। अब भर्ती जल्द पूरी नहीं की गई तो खाने के लाले पड़ सकते हैं।

ACS ने दिया था आश्वासन

इन भर्तियों में सात भर्तियों की प्रोविजनल सूची जारी होने के बाद परिवेदना मांगी जा चुकी है, लेकिन अंतिम चयन सूची जारी नहीं की जा सकी है। जबकि फार्मासिस्ट भर्ती की तो अभी तक प्रोविजनल सूची भी जारी नहीं हो पाई। वहीं इससे पहले विभाग की एसीएस शुभ्रा सिंह ने बाहरी राज्यों का सत्यापन कार्य डेढ़ दो माह में कर नियुक्ति देने का आश्वासन अभ्यर्थियों को दिया था।

इन पदों पर होनी है भर्ती

पद	संख्या
नर्सिंग ऑफिसर-	8750
एएनएम-	4847
फार्मासिस्ट-	3067
लैब टेक्नीशियन-	2190
असिस्टेंट रेडियोग्राफर-	1178
ईसीजी टेक्नीशियन-	246
डेंटल टेक्नीशियन-	151
नेत्र सहायक-	117

" आचार संहिता लगी होने के कारण नर्सिंग-पैरामेडिकल भर्तियों पर ज्यादा कार्य नहीं हो पाया है। इसके हटने के बाद टीमें भेजकर बाहरी राज्यों की डिग्रियों का सत्यापन कार्य कर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

डॉ. ओपी थाकन, निदेशक, सीफू, जयपुर।

चुनावी पोळ

सुणो बात चौपाळ की,
कांई करैला एक्जिट पोल।।
मीन मीख एक ना छोड़ें,
राखें एक एक वोट रो तोल।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | सभी चार राज्यों में मतदान के बाद आज आएंगे एग्जिट पोल

मतगणना से पहले आज शाम आएगा 'नई सरकार' फिल्म का 'ट्रेलर'

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश में मतदान के बाद आपके पास ऐसे ऑटोमेटेड कॉल्स जरूर आए होंगे जिनमें आपसे पूछा गया हो कि आपने चुनाव में किस पार्टी को वोट दिया है। पार्टी के साथ किस कैंडीडेट को आपने वोट किया ये भी आपसे पूछा गया होगा। कई लोग सोचते हैं कि ये कॉल्स पार्टियों की ओर से करवाए जा रहे हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है। ऐसे कॉल्स करवाकर किस पार्टी के पक्ष में ज्यादा मतदान हुआ है, ये डाटा जुटाने का काम करती हैं एग्जिट पॉल एजेंसियां। तेलंगाना में गुरुवार को होने वाले मतदान के बाद गुरुवार शाम से इन एजेंसियों के एग्जिट पोल आपको देखने को मिलेंगे जिनमें हर राज्य में मतदान के रुझान के आधार पर संभावित सरकार का अनुमान बताया जाएगा। एग्जिट पोल्स का इंतजार आम मतदाताओं के साथ ही राजनीतिक दलों व नेताओं को भी रहता है क्योंकि ये एक प्रकार से रिजल्ट की फिल्म के ट्रेलर का काम करते हैं। हालांकि कई बार एग्जिट पोल्स गलत भी साबित हुए हैं और अनुमानों से उलट सरकारें बनी हैं लेकिन रिजल्ट का एक बेसिक आइडिया इनसे मिल जाता है जिसके चलते एग्जिट पोल्स का क्रेज रहता है।

कौन करवाता है एग्जिट पोल्स

एग्जिट पोल के लिए तमाम एजेंसियां वोट डालने के तुरंत बाद वोटर्स से उनकी राय जानती हैं और उन्हीं रायों के आधार एग्जिट पोल के नतीजे तैयार किए जाते हैं। भारत में जहां चुनाव विकास से लेकर जाति-धर्म जैसे तमाम मुद्दों पर लड़ा जाता है, ऐसे में मतदाता ने किसको वोट दिया है, यह पता करना आसान नहीं है। साथ ही मतदाता इस सवाल का सही जवाब भी अमूमन नहीं देते कि उन्होंने किसे वोट दिया। इस वजह से एग्जिट पोल्स के नतीजे पूरी तरह सटीक नहीं बैठ पाते।

ऐसे अलग होते हैं एग्जिट पोल व ओपिनियन पोल

एग्जिट पोल व ओपिनियन पोल में बड़ा फर्क ये है कह ओपिनियन पोल चुनाव से पहले और एग्जिट पोल चुनाव के बाद आते हैं। ओपिनियन पोल में वोटर्स की राय वोटिंग से पहले जानी जाती है और उसी आधार पर सर्वे तैयार किया जाता है। इसमें वे लोग भी शामिल होते हैं जो हो सकता है कि मतदान के दिन वोट डालें ही नहीं। इसलिए इनकी सटीकता अधिक संदिग्ध रहती है। एग्जिट पोल के लिए सर्वे के सवाल चुनाव वाले दिन ही सिर्फ वोट डालकर आए लोगों से पूछे जाते हैं। इसके साथ ही आमतौर पर नजर आने वाला माहौल, धड़ेबंदी, राजनीतिक हवा, चुनावी चेहरे आदि फैक्टर भी इसमें शामिल होते हैं।

राजनीतिक दल भी बनाएंगे रणनीति

एग्जिट पोल का इंतजार राजनीतिक दलों को भी है। एग्जिट पोल के रुझानों के आधार पर राजनीतिक दल आगामी रणनीति बनाएंगे। मतगणना में वास्तविक परिणाम आने से पहले ही सीटों की संभावित संख्या के आधार पर राजनीतिक दलों की अंदरूनी उठापटक शुरू होगी। राजस्थान में जिस प्रकार अभी दोनों ही पार्टियों में कांटे की टक्कर बताई जा रही है, अगर एग्जिट पोल में भी दोनों पार्टियों की सीटों में ज्यादा अंतर नहीं रहा तो समर्थन के लिए निर्दलीयों व छोटी पार्टियों के जिताऊ उम्मीदवारों से पार्टियों के संपर्क करने में तेजी आएगी। कई कांग्रेस नेता तो रणनीति बनाने के लिए दिल्ली रवाना भी हो चुके हैं। यही हाल भाजपा में भी है। भाजपा नेता भी निर्दलीय व दूसरे दलों के प्रत्याशियों से लगातार संपर्क में हैं, एग्जिट पोल आने के बाद इस काम को और तेजी दी जाएगी।

पिछले चुनाव में सरकार का अनुमान सही, सीटों का रहा गलत

राजस्थान के पिछले विधानसभा चुनावों में लगभग सभी एजेंसियों ने भाजपा सरकार जाने व कांग्रेस की सरकार बनने का अनुमान जताया था। एग्जिट पोल्स में राजस्थान में एंटी इन्कंबेंसी साफ दिख रही थी। सभी एजेंसियों ने कांग्रेस को भाजपा से अिधक सीटें मिलने की संभावना जताई थी। कांग्रेस को 91 से 137 व भाजपा को 60 से 93 तक सीटें मिलने के अनुमान लगाए गए थे। अन्य को 2 से 15 सीटें मिलने के अनुमान थे। हालांकि परिणाम आए तो कांग्रेस को 99 व भाजपा को 72 सीटें मिलीं और कांग्रेस ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में सरकार बनाई थी।

ये थे पिछले चुनाव में एग्जिट पोल अनुमान

टाइम्स नाउ-सीएनएक्स
भाजपा 85 सीटें
कांग्रेस 105 सीटें
अन्य 09 सीटें

आज तक-एक्सिस माय इंडिया
भाजपा 63 सीटें
कांग्रेस 130 सीटें
अन्य 06 सीटें

रिपब्लिक-जन की बात
भाजपा 93 सीटें
कांग्रेस 91 सीटें
अन्य 15 सीटें

रिपब्लिक-सी वोटर
भाजपा 60 सीटें
कांग्रेस 137 सीटें
अन्य 02 सीटें

बिहाइंड द कर्टेन

जीवट और एकजुटता से जीती जंग

परमात्मा की कृपा। परिजन की तपस्या। देश की दुआएं। लीडरशिप और टीम स्प्रिट। संकट के समय धैर्य और संयम का परिचय। टनल से सकुशल बाहर निकले श्रमवीरों स्वागत। उनके परिवार को बधाई। एक श्रमिक के पिता की मासूमियत आपको द्रवित कर सकती है। घर में रखे जेवर गिरवी रख झारखण्ड से चले। नौ हजार लेकर आए थे बड़ा समेट कर चले फिर भी खर्च हो गए। अब दो सौ नब्बे बचे हैं। किसी से कोई अपेक्षा या शिकायत नहीं। पूछा तो कहने लगे हम तो 24 घंटे खुश रहते हैं। घर जाते समय ऋषिकेश में गंगा स्नान करेंगे। आम आदमी के जीवट की इससे बड़ी मिसाल क्या होगी। जान बची और लाखों पाए। रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे तमाम लोगों का शुक्रिया। पीएम ने सभी से बात कर ली। संकट के समय सब एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते रहे। अलग स्टेट, अलग मजहब। भाई की तरह रहे। सबसे बड़ा मैसेज। यही भावना देश को हर संकट से निकाल लेती है। पहाड़ों से छेड़छाड़ कहां जाकर थमेगी। यह सवाल भविष्य के गर्भ में है। इधर विश्लेषकों को कोई राह नहीं सूझ रही। बातचीत की दिशा बदल रही है। किसकी सरकार आएगी अब विषय नहीं रहा। सवाल है कि किसकी वजह से कितनी सीटें जाएंगी। परिणाम किसी के भी पक्ष में आए। किसी एक चेहरे के दम पर जीते या मिली-जुली मेहनत से। कौन धरातल पर एक्टिव था और कौन सलेक्टिव सीटों पर प्रचार कर रहा था। कितने नेता एक-दूसरे को सबक सिखाने या निपटाने में लगे थे। नतीजे के बाद इन बातों पर बहस जरूर होगी। प्रशंसा या पिटाई सरकार के कामकाज, गारंटियों, स्कीमों और संकल्पों पर भी होगी। विधानसभा चुनाव से फ्री हुए तो लोकसभा के आ जाएंगे। पार्टियां और गारंटियां लेकर आ जाएंगी। हम इन बातों में ही उलझे रहेंगे। उधर देश में बहुत कुछ घट रहा है। थोड़ा बता देते हैं, बहुत कुछ छिपा लिया जाता है। जैसे देश की अर्थव्यवस्था का आकार और बढ़ गया। प्रति व्यक्ति आय पचास फीसदी से अधिक वृद्धि। शेयर बाजार में तूफानी तेजी। महंगाई बेकाबू है। पिछले पांच साल में आटा-दाल, चावल, सब्जियां, प्याज सहित खाद्य पदार्थों की कीमतें सवा सौ फीसदी की छलांग। तेलों के भाव ने तेल निकाल दिया। नमक भी पचास फीसदी बढ़ गया। भारत में मेडिकल खर्च एशिया में सबसे ज्यादा। कब तक खाती रहेगी महंगाई डायन।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

ये राजनीति का ऊंट है, किसी भी करवट बैठ सकता है

स्थान सांगानेर | **समय** दोपहर 3:30 बजे

जयपुर

गुरु, अबकी बार देखना, जैसे टिकटों के टाइम नेताओं के इधर से उछलकर उधर पहुंचने के सीन देखे थे वैसे ही सीन रिजल्ट के बाद भी दिखेंगे। इस बार कौन मुख्यमंत्री बनेगा, कौन टिकटकट मंत्री बनेगा, किसकी किस्मत जागेगी कोई पता ही नहीं। लग कुछ रहा है, होगा कुछ और। पर इतना तय है मजा तो आएगा पूरा।" सांगानेर में सड़क से गुजरते हुए जब एक टी स्टॉल पर जमे तीन दोस्तों के ग्रुप में यह चर्चा सुनी तो हमने वहां कान लगाए। एक ने राजनीतिक जोड़तोड़ की बात शुरू की तो दूसरे ने बात को आगे बढ़ाया-" जो भी हो पर किसी ना किसी पार्टी को पूरा बहुमत मिलना चाहिए यार। वरना जनता किसी पार्टी को बहुमत देती है और सरकार कोई और पार्टी बना लेती है। देखा नहीं क्या तुमने पहले पड़ौसी स्टेट में।" बात पड़ौसी स्टेट तक पहुंच गई। वैसे बात तो सही थी, जनता जिस पार्टी को बहुमत देकर भेजे, सरकार तो उसी की होनी चाहिए। पर ये नैतिक मूल्य ही मान लिए जाएं तो फिर वह राजनीति कैसी। आज की राजनीति में सब जायज है क्योंकि यहां दूध का धुला कोई नहीं है। खैर, हमने चर्चा पर ही ध्यान लगाया-" भाई, नेता-नेता पर डिपेंड करता है ये सब कुछ, नेता दमदार हो तो सामने वाला कुछ नहीं कर सकता। अपने यहां देखा नहीं था क्या तुमने। कैसे एमएलए गुड़गांव जाकर बैठ गए थे, कितने दिन तक हाय-तौबा मची पर हुआ क्या। वो ही नेता हैं जो इस चुनाव में आलाकमान की हर हां में हां मिला रहे हैं। तो जो लीड कर रहा है उसका मजबूत होना जरूरी है।" चर्चा धीरे-धीरे रोचक होती जा रही थी। राजस्थान से निकली बात मध्यप्रदेश तक जाकर वापस राजस्थान आ चुकी थी। -"अरे गुरु, ये राजनीति है, इसमें ऊंट किसी भी तरफ बैठ सकता है। सारे नेता धरे रह जाते हैं। किसी पार्टी के लीडर में इतना ही दम था तो अपने सारे बागियों को बिठा देते ना वापस। अब देखना इनके बागी ही इनका खेल बिगाड़ेंगे और जिन बागियों को धमकाकर इन्होंने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है उनको ही माला पहना कर वापस पार्टी में लेंगे। और ये भी हो सकता है कि जिस नेता ने पार्टी के टिकट पर लड़कर पार्टी की इज्जत बचाई वो देखता रह जाए और बागी बनकर कहानी बिगाड़ने वाले नेता को मंत्रीपद का प्रसाद मिल जाए। राजनीति में कुछ भी हो सकता है।" तो, राजनीति के चरित्र का पोस्टमार्टम करते-करते ही इन सबकी चाय खत्म हो गई और सब ने उठकर अपना-अपना रास्ता पकड़ा।

पॉली क्लिक्स

मालवीय नगर से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा ने बुधवार को विराटनगर में भीम जी की डूंगरी की गुफा में स्थित एकादश शिवलिंग महादेव के दर्शन किए। सामने उनके पति सोमेन्द्र शर्मा हैं, जो पिता धर्मेन्द्र शर्मा के निधन के बाद यहां पीठाधीश्वर हैं।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

राज्य और केंद्र दोनों की राजनीति के खिलाड़ी हैं बाड़मेर के नेता

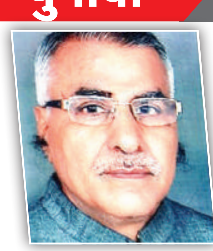

■ *गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार*
gulabbatra@gmail.com

कांग्रेस के युवा नेता हरीश चौधरी वर्ष 2009 के चुनाव में बाड़मेर संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए । उन्होंने भाजपा के मानवेन्द्र सिंह को पराजित किया। लेकिन वर्ष 2014 के चुनाव में वह उनके पिता जसवंत सिंह तथा कर्नल सोनाराम के मुकाबले चुनाव हार गए। लोकसभा चुनाव में पराजित होने के पश्चात उन्होंने भी विधानसभा का रुख किया।

बायतू विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा के कैलाश चौधरी को 13 हजार 803 मतों के अंतर से पराजित करने में सफल रहे। हरीश चौधरी को गहलोत मंत्रिमंडल में स्थान मिला। त्यागपत्र देने के पश्चात उन्हें पंजाब में प्रभारी बनाया गया। वर्ष 2023 के चुनाव में हरीश चौधरी बायतू क्षेत्र से पुनः किस्मत आजमा रहे हैं।

पहले विधायक फिर सांसद बने कैलाश चौधरी

बाड़मेर जिले की राजनीति में नए चेहरे के रूप में भाजपा के टिकट पर कैलाश चौधरी ने 2008 में बायतू क्षेत्र से पहला चुनाव लड़ा और कांग्रेस के कर्नल सोनाराम से 36 हजार 418 वोटों से पराजित हो गए। • अगले वर्ष 2013 के चुनाव में वे 13 हजार 974 मतों से कर्नल सोनाराम को हराने में सफल रहे। लेकिन 2018 में कांग्रेस के हरीश चौधरी से 13 हजार 803 वोट से पराजित हो गए। भाजपा ने कैलाश चौधरी को वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बाड़मेर से उतारा। उन्होने तब कांग्रेस प्रत्याशी मानवेन्द्र सिंह को 3 लाख 23 हजार मतों से पराजित किया।

जिले की चुनावी राजनीति के नए चेहरों की विधानसभा तक चुनावी दौड़ कब लोकसभा तक नापी जा सकेगी- इसका इंतजार रहेगा।

राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर में प्रथम आम चुनाव से हवा का रुख देखकर विधायक सांसद बनने की परम्परा रही है, जिसका अभी तक निर्वाह बरकरार है। केन्द्र और राज्य की राजनीति में दखल देने वाले राजनेताओं में दिवगंत तनसिंह एवं वृद्धिचंद जैन की भागीदारी के साथ इनकी कुल संख्या पांच हो गई है। अपनी सियासी साख के दांवपेच में इन हस्तियों ने लोकसभा-विधानसभा में अदला-बदली की। राजपूत समुदाय के क्षत्रियों के सामाजिक संगठन के संस्थापक तनसिंह वर्ष 1952 एवं 1957 के आम चुनाव में बाड़मेर से विधायक निर्वाचित हुए।

दोनों चुनाव वह राम राज्य परिषद के बैनर पर लड़े। दस साल तक विधायक रहने के पश्चात उन्होंने लोक सभा का रुख किया। वह 1962 के तीसरे आम चुनाव में बाड़मेर संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए। फिर लम्बी चुप्पी। आपातकाल के पश्चात वर्ष 1977 के लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी ने तनसिंह को चुनाव मैदान में उतारा। उन्होंने 64.10 प्रतिशत वोट लेकर कांग्रेस के खेतसिंह राठौड़ को 88 हजार 325 वोट से पराजित किया। अपने पहले लोकसभा चुनाव में रामराज्य परिषद के बैनर पर उन्होंने कांग्रेस पार्टी के ओंकार सिंह को 27 हजार 711 मतों के अंतर से परास्त किया। तब उन्हें 51.90 प्रतिशत वोट मिले। तनसिंह और कांग्रेस के वृद्धिचंद जैन का चुनावी मुकावला प्रथम आम चुनाव से हुआ।

वह 1952 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में तनसिंह से पराजित हुए। पहली बार बाड़मेर से वर्ष 1967 में निर्वाचित विधायक वृद्धिचंद जैन लगातार तीन चुनाव जीतने में सफल रहे। वर्ष 1980 के चुनाव से उन्होंने भी लोकसभा में पहला कदम रखा। इस बार उन्होने बतौर कांग्रेस प्रत्याशी 43.72 प्रतिशत मत लेकर पूर्व जैसलमेर रियासत के चन्द्रवीर सिंह को 37 हजार 977 वोटों के अंतर से पराजित किया। वर्ष 1984 के चुनाव में उन्होंने लोकदल प्रत्याशी गंगाराम चौधरी को एक लाख 6713 मतों से पराजित किया लेकिन 1989 के चुनाव में जनतादल के कल्याण सिंह कालवी से डेढ़ लाख से अधिक मतों से मात खा बैठे। वृद्धिचंद जैन 1998 में पुनः विधायक बन गए।

आजकल की लाइफस्टाइल के चलते अधिक बढ़ रही सर्वाइकल समस्या

योगासन से दूर होगी सर्वाइकल पेन की परेशानी

अलका सिंह
योग एक्सपर्ट

लगातार बढ़ते कंप्यूटर के उपयोग से सर्वाइकल की समस्या भी बढ़ने लगी है कई बार काम के दौरान लैपटॉप या कंप्यूटर की स्क्रीन को ज्यादा देर तक देखने के कारण भी गर्दन में अकड़न आ जाती है। ऐसा कई बार कंप्यूटर पर घंटों तक लगातार काम करने से होताहै। तेजी से बढ़ते आधुनिकता के इस दौर में घंटों कंप्यूटर पर काम करना आम बात हो गयी है। ऐसे में बड़ों के साथ-साथ बच्चों में भी सिर दर्द, उंगलियों में दर्द, कमर और कंधों में दर्द जैसी समस्याएं आम हो गयी हैं। एक ही जगहों पर बैठे रहने से पीठ दर्द और सर्वाकल जैसी समस्याएं हो रही हैं। यह देर तक बैठने का काम करने वालों में कॉमन परेशानी पहले ही थी, लेकिन आजकल की लाइफस्टाइल के चलते यह समस्या और भी अधिक बढ़ रही है। बच्चों तक में सर्वाइकल के लक्षण देखे जा रहे हैं। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि सर्वाइकल क्या है? इसके लक्षण कैसे पहचानें और इससे बचने के लिए किन उपायों का पालन करें। तो इस लेख में हम आपको यही जानकारी देने जा रहे हैं।

सर्वाइकल के लक्षण

■ गर्दन में दर्द ■ हाथ और पांव में दर्द होना इसके शुरुआती लक्षण माने जाते हैं।

राहत पाने के लिए योग जरूरी

सर्वाइकल पेन से बचने के लिए आम तौर पर योगासन और फिजिकल एक्सरसाइज की सलाह दी जाती है। हम आपको बताते हैं ऐसे पांच आसन जो आपको सर्वाइकल से छुटकारा दिला सकते हैं। यही नहीं इन आसनों को करने से आपको पेट की चर्बी कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही स्लिप डिस्क, स्पॉन्डिलाइसिस, वर्टिगो, और फ्रोजन शोल्डर जैसी समस्याओं में भी राहत मिल सकती है।

1. मत्स्यासन

जमीन पर सीधे लेट जाएं। अपने हाथों को अपने हिप्स के नीचे रखें लेकिन, अपनी हथेलियों को जमीन में ऊपर रखें। सांस लेते हुए अपने सिर और छाती को जमीन से ऊपर उठाएं, छाती को ऊपर की ओर खींचते हुए, धीरे-धीरे अपने सिर को पीछे तब तक झुकाएं जब तक कि वह धीरे-धीरे फर्श को न छू लें। अपनी कोहनी को फर्श पर रखें और अपने पूरे शरीर का वजन अपनी कोहनी पर डालें। ध्यान रहे कि आपका वजन आपके सिर पर नहीं आना चाहिए। वजन पूरा कोहनियों पर आना चाहिए। कुछ आसान तरीके अपनाकर आप गर्दन के दर्द और अकड़न से कुछ ही मिनटों में निजात पा सकते है।

2. मकरासन

मकरासन करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं। अपनी कोहनियों को जमीन पर रख दें और हाथों को चिन पर रख दें। साथ ही, सिर और कंधों को ऊपर की और उठा लें। आपके पैरों के बीच उचित दूरी होनी चाहिए। अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें। अपने ध्यान को केंद्रित करें और सांस लेते रहें। थोड़ी देर बाद आंखें खोलें और फिर से इस आसन को दोहराएं।

2. भुजंगासन

इसको करने के लिए किसी खुली जगह पर पेट के बल लेट जाएं। अपनी चिन को जमीन पर लगाएं। दोनों पैरों को एक दूसरे के पास लाएं, जिससे आपके दोनों पैर और एड़ी एक दूसरे को छुएं। अपनी हथेलियों को कंधों की सीध में लाएं और सांस लेते हुए अपने शरीर के अगले भाग को उठाएं और सिर को पीछे की ओर झुकाएं। अब धीरे-धीरे सांस लें और छोड़ दें। सांस को छोड़ते हुए सामान्य अवस्था में आएं। इस प्रक्रिया को दोहराएं।

3. धनुरासन

धनुरासन को करने के लिए पेट बेल जमीन पर लेट जाएं पैरों के बीच कम दूरी रखें और दोनों हाथों को शरीर के दोनों तरफ सीधा रखें। अब अपने घुटनों को मोड़ें और कमर के पास लाएं, इसके साथ ही एड़ियों को अपने हाथों से पकड़ें। सांस लेते हुए छाती को जमीन से ऊपर उठाएं और एड़ियों को खींचने की कोशिश करें। एड़ियों को खींचते हुए सिर को सीधा रखें। इसी तरह से सांस लें और छोड़ें। इस तरह से आपका शरीर एक धनुष के आकार का होगा।

4. सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार करने के 12 चरण होते हैं, हर एक चरण अपने आप में एक सम्पूर्ण आसन की तरह है, सर्वाइकल में सूर्य नमस्कार बहुत फायदेमंद है। लेकिन अगर आप पहली बार सूर्य नमस्कार कर रहे हैं तो विशेषज्ञ की राय जरूर लें। अंततः निष्कर्ष निकलता है कि नियमित इन योग आसनों का अभ्यास किया जाए तो काफी हद तक सर्वाइकल से निजात पा सकते हैं।

पौराणिक मान्यताओं में तृतीया तिथि मानी जाती है माता गौरी की जन्म तिथि

अखंड सौभाग्य के लिए सौभाग्य सुंदरी व्रत

अशोक 'प्रवृद्ध'
स्वतंत्र टिप्पणीकार

"माता पार्वती की पूजा के लिए देवी पार्वती की प्रतिमा को दूध, दही और जल स्नान कराकर उन्हें वस्त्र पहनाकर रोली चावल से तिलक करना चाहिए, मौली चढ़ाना चाहिए। उन्हें पुष्प अर्पित कर एक पान में दो सुपारी, दो लौंग, दो हरी इलाचयी, एक बताशा और एक रुपए रख चढ़ाकर माता पार्वती को सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करना चाहिए, घी का दीपक जलाना चाहिए और फिर मीठे का भोग लगा व्रत कथा का पठन अथवा श्रवण करना चाहिए।"

भारतीय पंचांग के अनुसार महीने में दो बार, पूर्णिमा और अमावस्या के बाद तीसरे दिन आने वाली तीसरी तिथि को तृतीया तिथि कहते हैं। पूर्णिमा के बाद आने वाली तृतीया को कृष्ण पक्ष की तृतीया और अमावस्या से आगे आने वाली तृतीया को शुक्ल पक्ष की तृतीया कहते हैं। पौराणिक मान्यताओं में तृतीया तिथि माता गौरी अर्थात देवी पार्वती की जन्म तिथि मानी जाती है। तृतीया तिथि की स्वामिनी माता गौरी हैं। तृतीया तिथि कार्यों में विजय प्रदान करने वाली होने के कारण इस तिथि को जया तिथि के अन्तर्गत रखा गया है। किसी भी कार्य में विजय प्राप्त करने के लिए इस तिथि का चयन अतिशुभ और पूर्णतः अनुकूल माना जाता है। इस तिथि में सैन्य, शक्ति संग्रह, न्यायालयीन कार्यों के निष्पादन, शस्त्र क्रय, वाहन क्रय आदि कार्य करना शुभ माना जाता है। दोनों ही पक्षों की तृतीया तिथि को भगवान शिव के क्रीड़ारत रहने के कारण तृतीया तिथि में भगवान शिव का पूजन नहीं करने की मान्यता है। इसीलिए तृतीया तिथि को शिवपत्नी माता गौरी की पूजा का विधान है। यही कारण है कि माता गौरी अथवा भगवान शिव और उनकी अर्द्धांगिनी पार्वती की संयुक्त पूजन से संबंधित अनेक व्रत, पर्व व त्योहार तृतीया तिथि को मनाई जाती है। कज्जली तृतीया, गौरी तृतीया, हरितालिका तृतीया, सौभाग्य सुंदरी आदि अनेक व्रत और पर्वों का आयोजन किसी न किसी माह की तृतीया तिथि के दिन ही संपन्न होता है। चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर तृतीया, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन अक्षय तृतीया, ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया के दिन रम्भा तृतीया, श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को तीज उत्सव, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को वाराह जयंती मनाए जाने की परंपरा है। इस तिथि में जन्म लेने वाले व्यक्ति के लिए भी माता गौरी की पूजा करना कल्याणकारी माना गया है। मान्यता है कि मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को देवी पार्वती ने अपनी कठिन तपस्या के बल पर भगवान शिव को वर के रूप में प्राप्त किया था। तत्पश्चात गणेश और कार्तिकेय नामक दो पुत्रों की माता बनी। उसी समय से

माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए मार्गशीर्ष अर्थात अगहन महीने के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को सौभाग्य सुंदरी व्रत की परंपरा शुरू हुई। सौभाग्य सुंदरी नामक यह व्रत मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को अखंड सौभाग्य की सौंदर्य की कामना से विशेषकर महिलाओं के द्वारा किया जाता है। सनातन धर्म में मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीया को मनाई जाने वाली सौभाग्य सुंदरी व्रत का महिलाओं के लिए बहुत ही खास महत्व है। मान्यता है कि यह महिलाओं को पुण्य फल प्रदान करता है और जीवन में आने वाले संकटों से भी बचाता है। इस वर्ष 2023 में मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 30 नवम्बर बृहस्पतिवार के दिन पड़ने के कारण इस दिन सौभाग्य सुंदरी व्रत मनाई जाएगी। इस दिन महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना से भगवान शिव, माता पार्वती और उनके पुत्र गणेश व कार्तिकेय का पूजन करती हैं। दांपत्य जीवन में प्रसन्नता और संतान की लंबी उम्र का आशीर्वाद मिलने की मान्यता होने के कारण इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर विधि-विधान से भगवान शिव व माता पार्वती का पूजन करती हैं।

सौभाग्य सुंदरी व्रत के दिन ब्रह्म बेला में जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होकर हाथ में जल ले व्रत का संकल्प लेकर और मंदिर की साफ-सफाई करना चाहिए। तत्पश्चात एक चौकी पर लाल अथवा पीले रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश की मूर्ति स्थापित करना चाहिए। फिर माता पार्वती को सिंदूर का तिलक लगाना और भगवान शिव व गणेश को हल्दी अथवा चंदन का तिलक करना चाहिए। एक जल से भरा कलश स्थापित कर धूप -दीप जलाकर पूजा आरम्भ करना चाहिए। सर्वप्रथम भगवान गणेश की पूजा करना चाहिए। उनको जल से छींटे लगा फिर रोली से तिलक कर अक्षत लगाना चाहिए। मौली मोली चढ़ा चंदन व सिंदूर लगाना चाहिए। फिर फूलमाला और फल अर्पित करना चाहिए। गणेश को भोग के साथ सूखे मेवे, पान, सुपारी, लौंग, इलायची और दक्षिणा भी चढ़ाना शुभ माना गया है। फिर नवग्रह की पूजा करना चाहिए। भगवान कार्तिकेय की पूजा करना चाहिए। तत्पश्चात देवी पार्वती और भगवान शिव की पूजा करना चाहिए।

माता पार्वती की पूजा के लिए देवी पार्वती की प्रतिमा को दूध, दही और जल स्नान कराकर उन्हें वस्त्र पहनाकर रोली चावल से तिलक करना चाहिए, मौली चढ़ाना चाहिए। उन्हें पुष्प अर्पित कर एक पान में दो सुपारी, दो लौंग, दो हरी इलाचयी, एक बताशा और एक रुपए रख चढ़ाकर माता पार्वती को सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करना चाहिए, घी का दीपक जलाना चाहिए और फिर मीठे का भोग लगा व्रत कथा का पठन अथवा श्रवण करना चाहिए। व्रत कथा पठन अथवा श्रवण के बाद चालीसा का पाठ करना शुभ माना गया है। माता पार्वती को अर्पित किया गया सोलह श्रृंगार बाद में व्रती महिलायें स्वयंके उपयोग में ला सकती है। देवी पार्वती की पूजा करते समय माता पार्वती से हाथ जोड़कर माता से दुखों और पापों का नाश करने, आरोग्य, सौभाग्य, ऋद्धि -सिद्धि और उत्तम संतान प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए इस मंत्र का जाप करना चाहिए -

ॐ उमाये नमः।

देवी देइ उमे गौरी त्राहि मांग करुणानिधे माम् अपरार्धा शानतव्य भक्ति मुक्ति प्रदा भव।।

तत्पश्चात भगवान शिव का दूध और जल से अभिषेक करना चाहिए। बेलपत्र, आंकड़े और धतुरा अर्पित करना चाहिए। रोली-चावल से तिलक करना चाहिए। फल- फूल अर्पित कर भोग लगाना चाहिए, सूखे मेवे, और दक्षिणा अर्पित करना चाहिए। भगवान शिव की पूजा करते समय ॐ नमः शिवाय- इस मंत्र का जाप करना चाहिए। माता पार्वती के तीज माता से संबंधित कथा का पाठ व श्रवण करना चाहिए। फिर उसके बाद माता पार्वती और भगवान शिव की आरती करना चाहिए। पूजा के बाद अपने परिवार की खुशहाली की कामना करना चाहिए।

तीज और करवा चौथ की भांति महत्वपूर्ण सौभाग्य सुंदरी व्रत जीवन में सकारात्मकता और सौभाग्य लाने के लिए मनाया जाता है। महिलाएं पति और संतान सुख के लिए पूजा-अनुष्ठान कार्य करती हैं। विवाह दोष से मुक्त होने और विवाह में देरी को दूर करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी इस व्रत को करती हैं। मांगलिक दोष और कुंडली में प्रतिकूल ग्रह दोषों को समाप्त करने के लिए भी यह व्रत किया जाता है। सौभाग्य सुंदरी व्रत महिलाओं के लिए अखंड सौभाग्य का वरदान होता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से विवाहित महिलाओं के घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और अखंड सौभाग्य बना रहता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार सौभाग्य सुंदरी व्रत करने से वैवाहिक जीवन का दोष भी दूर होता है और पति-पत्नी में प्रेम बना रहता है। यदि किसी लड़की के विवाह में देरी हो रही हो तो वो परेशानी भी ये व्रत करने से दूर हो सकती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सौभाग्य सुंदरी व्रत करने से पति और संतान की उम्र बढ़ती है और उनके जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। जिन महिलाओं को वैवाहिक जीवन में कष्टों का सामना करना पड़ रहा है और जिन अविवाहित लड़कियों के विवाह में देरी हो रही हो उन्हें ये व्रत अवश्य करना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

"परिवर्तन"

अर्चना त्यागी
व्यंग्यकार

उतरे चेहरे को लेकर मंत्रीजी ने अपने घर में प्रवेश किया। वो चाहते थे कि सबसे लड़ें,पूछें कि उन्हें सत्ता में वापिस क्यों नहीं आने दिया गया ? क्यों जनता को उनसे इतनी नफरत हो गई कि पार्टी को जिताना तो दूर वो स्वयं भी अपनी जमानत नहीं बचा पाए।

एक ऐसा इंसान जिसे लोग पहचानते ही नहीं हैं, कैसे जीत सकता है ? सारे समीकरण उलट गए थे। सबसे अधिक कष्ट इस बात का था कि उनकी पत्नी का वोट भी दूसरी पार्टी को चला गया था। अखबारों की सुर्खियों में यही चर्चा हो रही थी। घर में उन्होंने अंदर प्रवेश नहीं किया। ड्राइंग रूम में सोफे पर निढाल होकर लेट गए और नौकर को आवाज़ लगाई," रामलाल थोड़ा पानी लाओ।" आज़ आवाज़ में आदेश नहीं था। रामलाल खुशी खुशी दौड़कर पानी ले आया। मंत्रीजी का अवसाद और भी बढ़ गया। ,"सभी खुश हैं मेरी हार से।" उन्होंने मन ही मन बुदबुदाया। पत्नी चकित थी कि आज़ पतिदेव के तेवर बदल कैसे गए थे ?"

पास में सोफे पर बैठ कर उन्होंने नेताजी से पूछा," सर दबा दूं क्या ? तबीयत ठीक नहीं लग रही है।" नेताजी ने पत्नी की बात सुनकर घूरकर उसे देखा।," इतनी चिंता क्यों करती हो? वोट डालते समय चिंता नहीं थी मेरी। तुम तो चाहती ही हो कि मैं दुख में डूब जाऊं।" पत्नी ने बात संभालनी चाही," ऐसा क्यों कहते हो नेताजी ? आपके दुखी होने से क्या मैं सुखी रह सकती हूं?" नेताजी ने आंखें खोल कर पत्नी का चेहरा देखा," बता सकती हो तुमने दूसरी पार्टी को वोट क्यों दिया?" उन्होंने सीधा प्रश्न पूछा। पत्नी के चेहरे पर अनायास ही मुस्कुराहट आ गई। ," नेताजी मुझे अहसास नहीं था कि मेरे वोट के बिना आप जीत ही नहीं पाओगे। मुझे यही लगा कि मेरी तरह मेरा वोट भी आपके किसी काम का नहीं है।" नेताजी पत्नी की बात सुन रहे थे। शायद सालों बाद। बात के पीछे के मर्म को समझ रहे थे शायद पहली बार। उन्होंने व्यंग्य से पूछा," तो अपना महत्व बताने के लिए तुमने ऐसा किया ?" पत्नी उठ कर खड़ी हो गई। ," नहीं नेताजी बस आपको घर वापिस लाने के लिए ऐसा किया। कई सालों से आप भूल गए थे कि आपका घर कहां है? पत्नी कैसी है?" आज़ नेताजी अपने घर में अपनापन महसूस कर रहे थे। दिल का बोझ उतर रहा था। जाने क्यों हार अच्छी लग रही थी। सोफे से उठे और बाथरूम में जाकर देर तक नहाते रहे। उन्हे मालूम था अब कोई पूछने नहीं आएगा। लोगों का जमावड़ा अब जीतने वाली पार्टी के दफ्तर के बाहर लगा था। नेताजी ने पत्नी के हाथ की बनाई चाय पी और चुस्कियां लेते हुए सोचा," हारता नहीं तो यह सुकून नहीं नसीब होता।" पूरे घर में जैसे रौनक छा गई थी।,"

रंजना चलो सुगनचंद को जीत की बधाई दे आते हैं। तुमने उसे विजयी बनाया है। मेरा इतना फर्ज तो बनता है।" उन्होंने हंसकर कहा तो पत्नी तुरंत तैयार होने चली गई। बेटा, बेटी और उनकी मां भी साथ जाने को तैयार थी। रामलाल भी खुद को नहीं रोक पाया और नया सूट पहन कर गाड़ी में जा बैठा। आज़ गाड़ी मंत्रीजी चला रहे थे।

नॉलेज कॉर्नर: आईटी हब बेंगलुरु घूमने के लिहाज से भी बेहतर

आकर्षण का केंद्र है स्टार फोर्ट 'मंजराबाद'

बेंगलुरू को सॉफ्टवेयर और तकनीक का हब माना जाता है लेकिन घूमने के लिहाज से भी ये जगह काफी फेमस है। बेंगलुरू का नाम आते ही सबसे पहले टीपू सुल्तान का नाम जीभ पर आता है। यहां हम आपको टीपू सुल्तान से जुड़ी जगह की सैर करवाने जा रहे हैं। दरअसल, टीपू ,सुल्तान ने यहां एक बेहद शादार किला बनवाया था, जिसे मंजराबाद किले के नाम से जाना जाता है। लेकिन इसे किले को इसका आर्किटेक्चर और भी ज्यादा खूबसूरत बनाता है। मंजराबाद किला अपने आप में किसी बड़े अजूबे से कम नहीं है। तो आइए कीजिए इस किले की सैर।

फोर्ट की संरचना

किले की बाहरी दीवारें ग्रेनाइट पत्थरों और चूने के मोर्टार से बनाई गई हैं, जबकि आंतरिक इमारतें, जिनमें सेना की बैरक, शस्त्रागार, भंडार और अन्य जगहें हैं, पकी हुई ईंटों से बनाई गई हैं। इनके अलावा, एक गहरे कुएं के बगल में दो तहखाने बनाए गए थे जो बारूद को संग्रहीत करने के लिए उपयोग की जाने वाली भूमिगत संरचनाएं थीं और ये कमरे गर्मी के महीनों के दौरान भी ठंडे रहते थे। किले की दीवारें ढलानदार हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह किला भारत में सबसे पूर्ण वाउबनेस्क स्टार के आकार का किला है।

कैसे पहुंचे

हसन जिले के सकलेशपुर में स्थित मंजराबाद किले तक आप सड़क मार्ग के जरिए भी पहुंच सकते हैं। यहां का सबसे करीबी हवाई अड्डा बेंगलुरू है। आपको बता दें कि हसन जिला बेंगलुरू, मैंगलोर, हुबली, शिमोगा और मैसूर से सड़क-रेल मार्ग द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। अगर आप बेंगलुरू से हसन जा रहे हैं, तो हवाई सफर सबसे अच्छा विकल्प है। यहां घूमने का सबसे अच्छा समय सर्दियों का है। यहां आप सुबह 8 से शाम 6 बजे तक मुफ्त में घूम सकते हैं।

तारे के आकार का किला

मंजराबाद किला कर्नाटक के हसन जिले में स्थित है। इस किले का आकार एक दम तारे की तरह है। बता दें कि ये किला 3240 फीट की उंचाई पर स्थित है। मैसूर के शासक टीपू सुल्तान ने 1792 में मंजराबाद किले को बनवाया था। आपको जानकर हैरानी होगी कि मौसम साफ होने पर इसे अरब सागर से भी देखा जा सकता है। आपको बता दें कि ये किला यूरोपीय शैली में बनाया गया है।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
भारत का निर्माण करने वाले हमारे मज़दूर भाइयों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस मुश्किल अभियान को सफल बनाने वाले सभी जांबाज़ों को मेरा सलाम है।

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
बुद्धिमान व्यक्ति कई बार जवाब होते हुए भी पलट कर नहीं बोलते, क्योंकि कुछ अवसर ऐसे होते हैं, जिनमें रिश्तो को जिताने के लिए खामोश रहकर हारना भी जरूरी होता है।

गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु
@gaurgopald
हमेशा ऐसे समय आते हैं जब हमें दूसरों की मदद करने और उन्हें बेहतर सेवा देने के लिए अपना दृष्टिकोण समझाने की आवश्यकता होती है।

पुस्तक 'मल्लिकार्जुन खरगे: पॉलीटिकल इंगेजमेंट विथ कम्पैशन, जस्टिस एंड इन्क्लूसिव डेवलपमेंट' का विमोचन

खरगे पर विश्वास, पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे योग्य: सोनिया

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को कहा कि एक मजबूत संगठनात्मक नेता के रूप में मल्लिकार्जुन खरगे पर हमे विश्वास है तथा 'भारत की आत्मा' के लिए जारी लड़ाई में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए वह सबसे योग्य व्यक्ति हैं। इसमें उन्हें मेरा और कांग्रेस पार्टी का दृढ़ समर्थन प्राप्त है।'' उन्होंने खरगे पर लिखी गई पुस्तक 'मल्लिकार्जुन खरगे: पॉलिटकल इंग्जेमेंट विथ कम्पैशन, जस्टिस एंड इन्क्लूसिव डेवलपमेंट' के विमोचन के मौके

पर यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं और सिद्धांतों को नष्ट कर रही है। सोनिया ने वर्तमान अध्यक्ष खरगे के लंबे राजनीतिक जीवन और संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा, आज वह एक महत्वपूर्ण मोड़ पर कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं।

लगातार ऊंचाइयों को छुआ

सोनिया ने कहा, 'राजनीति में 50 साल एक लंबी अवधि होती है। खरगे जी अपने पूरे राजनीतिक जीवन में लगातार ऊंचाइयां छूते रहे। उन्होंने अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया। वह एक बार भी गरीबों के हित से दूर नहीं गए और एक बार भी राजनीतिक लड़ाई जीतने के लिए सम्मान और आचरण से समझौता नहीं किया। इसीलिए, आज खरगे जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में मजबूती से खड़े हैं।

नेताओं की परख उनके साधारण कपड़ों से नहीं, उनकी संतानों को देखकर

एजेंसी | कोझिकोड (केरल)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि कुछ नेताओं का मूल्यांकन उनके साधारण पहनावे या कम कीमत वाली घड़ियों के आधार पर नहीं किया जा सकता क्योंकि वे आम जनता से अपनी असली संपत्ति छिपाने में 'बहुत चतुर' होते हैं। वह यहां इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के दिवंगत नेता पी सीथी हाजी पर लिखी गई एक किताब के विमोचन के अवसर पर बोल रहे

थे। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं के असली स्वभाव को उनके बच्चों को देखकर पहचाना जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं कई नेताओं से मिलता हूं और जैसा कि आप जानते हैं, वे बहुत चतुर लोग हैं। आज के नेता आपको केवल वही दिखाएंगे जो वे आपको दिखाना चाहते हैं। कभी-कभी जब वे मुझसे मिलने आते हैं, तो साधारण कपड़े, कम कीमत वाली घड़ियां और फटे जूते पहनकर आते हैं। जब आप उनके घर जाते हैं तो वहां उनके पास बड़ी बीएमडब्ल्यू होती हैं। ये लोग बहुत चतुर होते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्हें इन व्यक्तियों का त्वरित और सटीक मूल्यांकन करने के लिए एक नए तरीके का सहारा लेना पड़ा।

दिग्विजय सिंह की भिंड कलेक्टर को हटाने की मांग

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने बुधवार को भिंड कलेक्टर को हटाने की मांग करते हुए उनपर मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में निर्वाचन ड्यूटी में लगे कर्मियों को डाक मतपत्र जारी नहीं कर उन्हें मताधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया। मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में सिंह ने आरोप लगाया कि भिंड जिले की लहार विधानसभा सीट पर घोर अनियमितताएं हुईं, जहां निर्वाचन ड्यूटी में लगे 500 से अधिक मतदाताओं को डाक मतपत्र जारी नहीं किए गए। लहार सीट से नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

आपत्तिजनक बयान पर पूर्व महापौर दलवी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए शिवसेना नेता और शहर के पूर्व महापौर दत्ता दलवी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। एक स्थानीय अदालत ने बाद में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपी ने अदालत से जमानत देने का अनुरोध करते हुए दावा किया कि वह बेगुनाह हैं और मामले में उन्हें गलत तरह से फंसाया गया है। उनके आवेदन पर गुरुवार को सुनवाई होगी। अधिकारी के अनुसार, दलवी को बुधवार को भांडुप इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि रविवार को उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना द्वारा भांडुप में एक सभा आयोजित की गई थी जिसमें दलवी ने कथित तौर पर शिंदे के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक बयान दिए।

तेलंगाना: त्रिकोणीय मुकाबले में प्रतिष्ठा दांव पर, आज होगा फैसला...

बीआरएस फिर होगी रिपीट या इतिहास रचेंगी कांग्रेस-भाजपा!

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी और सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के.चंद्रशेखर राव जैसे शीर्ष नेताओं के धुंआधार चुनाव प्रचार के बाद अब गुरुवार को 119 सदस्यीय राज्य विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कुल 2,290 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री-बेटे के. टी. रामाराव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी और भाजपा के लोकसभा सदस्य बी. संजय कुमार और डी अरविंद शामिल हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा नौ अक्टूबर को चुनावों की तारीख घोषित किए जाने के बाद से ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू है।

जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेगी बीआरएस

बीआरएस 2014 में शुरू हुई अपनी जीत के सिलसिले को आगे भी कायम रखने को लेकर उत्सुक है जबकि कांग्रेस 2018 में और उससे चार साल पहले हारने के बाद सत्ता पर काबिज होने के लिए संघर्ष कर रही है। कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दौरान ही तेलंगाना को अविभाजित आंध्र प्रदेश से अलग कर राज्य का दर्जा दिया गया था। वहीं, पहली बार सत्ता में आने के लिए भाजपा भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। सीएम के चंद्रशेखर राव ने एक दिन पहले ही दार्शनिक अंदाज में कहा था कि वह अब पद नहीं चाहते।

सीएम राव दो क्षेत्रों से हैं मैदान में

मुख्यमंत्री राव दो निर्वाचन क्षेत्रों गजवेल और कामारेड्डी में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वह निवर्तमान विधान सभा में गजवेल का प्रतिनिधित्व करते हैं। कामारेड्डी और गजवेल में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहा है। कांग्रेस ने कामारेड्डी में मुख्यमंत्री का मुकाबला करने के लिए अपने प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को मैदान में उतारा है जबकि भाजपा उम्मीदवार वेंकटरमण रेड्डी भी मजबूत माने जा रहे हैं। गजवेल में भाजपा ने मुख्यमंत्री राव के खिलाफ अपने चुनाव अभियान अध्यक्ष एटाला राजेंद्र को मैदान में उतारा है। लोकसभा सदस्य रेवंत रेड्डी कोडंगल से भी चुनाव लड़ रहे हैं, जिसका उन्होंने पहले प्रतिनिधित्व किया था। भाजपा के राजेंद्र हुजुराबाद से दोबारा विधानसभा पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव 2023: मैदान में पार्टियां

बीआरएस	119
कांग्रेस+भाकपा	118+1
भाजपा+जनसेना	111+8
AIMIM	09

मतदान की तैयारियां

- कुल मतदाता — 3.26 करोड़
- कुल उम्मीदवार मैदान — 2,290
- मतदान केंद्र — 35,655

मतदान

- 106 निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक
- 13 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक

कांग्रेस

- केसीआर सरकार की विफलताओं को बनाया निशाना
- महालक्ष्मी: सत्ता में आने पर महिलाओं के लिए प्रति माह 2,500 रुपए
- व 500 रुपए में गैस सिलेंडर। रायथु भरोसा: किसानों को हर साल ₹ 15,000 रुपए व कृषि श्रमिक को 12,000 प्रति वर्ष। गृह ज्योति: हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली
- इंदिरम्मा इंदलू: तेलंगाना आंदोलन सेनानियों के लिए 250 वर्ग गज का प्लॉट
- युहा विकासम: छात्रों के लिए ₹ 5 लाख का विद्या भरोसा कार्ड, प्रत्येक मंडल में तेलंगाना इंटरनेशनल स्कूल की स्थापना।
- चेयुथा: वरिष्ठ नागरिकों के लिए ₹ 4,000 मासिक पेंशन
- राजीव आरोग्यश्री बीमा के तहत ₹ 10 लाख का कवर

भाजपा

- धर्म के आधार पर आरक्षण समाप्त करने का वादा
- ओबीसी समुदाय के व्यक्ति को सीएम बनाने की घोषणा
- मडिगा समुदाय के लोगों के सशक्तीकरण
- अयोध्या में भगवान राम मंदिर की मुफ्त यात्रा की व्यवस्था

बीआरएस

- पिछली कांग्रेस सरकार की विफलताओं और किसानों, महिलाओं तथा समाज के अन्य वर्गों के लिए चल रहे कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित था।
- तेलंगाना राज्य के गठन के लिए बीआरएस(टीआरएस) का संघर्ष।
- दलित बंधु, रायथु योजना पर जोर

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव

मैदान में दिग्गज

- राव के बेटे व मंत्री के. टी. रामाराव
- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी
- भाजपा के लोकसभा सदस्य बी. संजय कुमार और डी अरविंद

तेलंगाना: चुनाव आयोग की कड़ी कार्रवाई

मतदान के एक दिन पहले किए तीन पुलिस अधिकारी निलंबित

नकदी जब्त मामले को कमजोर करने का है आरोप

एजेंसी | नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने नकदी जब्ती मामले में कथित तौर पर कमजोर करने की कोशिश के लिए बुधवार को एक पुलिस उपायुक्त सहित तेलंगाना पुलिस के तीन अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया। सूत्रों ने बताया कि समझा जाता है कि तेलंगाना के मुख्य सचिव को लिखे पत्र में आयोग ने कहा है कि मोबाइल फोन और चेकबुक के साथ 18 लाख रुपए नकद की बरामदगी के बाद पुलिस अधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने के बजाय, परोक्ष तौर पर मामले को कमजोर करने की कोशिश की। उन्होंने जांच को कथित तौर पर गुमराह करने की भी कोशिश की। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव गुरुवार को होने हैं।

पीएम किसान के तहत राशि देने पर रोक क्यों नहीं: राव

हैदराबाद। तेलंगाना में रायथु बंधु योजना के तहत राशि आवंटित करने पर चुनाव आयोग की ओर से रोक लगाए जाने पर भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने बुधवार को प्रश्न किया कि प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत धन जारी करने की मंजूरी क्यों है। रामा राव ने पत्रकारों के साथ औपचारिक बातचीत में यह मुद्दा उठाया। राव ने कहा कि उनकी पार्टी 2018 में मिली जीत से एक सीट अधिक ही जीतेगी। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री की रैलियों की प्रभाव को नकारते हुए कहा कि उनका ध्यान तेलंगाना विधानसभा चुनाव के बजाय आम चुनावों पर अधिक है।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सपा का बहिर्गमन

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान परिषद में जातिवार जनगणना को लेकर सरकार के जवाब से असंतुष्ट होकर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। सपा सदस्यों ने प्रदेश में जातिवार जनगणना कराने के मुद्दे पर शून्य काल के दौरान कार्य स्थगन का नोटिस दिया था। नोटिस में कहा गया है कि भाजपा समय-समय पर जातिवार जनगणना करने की बात कहती आ रही है लेकिन 2021 में नियमित जनगणना होने जा रही थी तो भाजपा ने जातिवार जनगणना कराए जाने से किनारा कर लिया। खुद पीएम नरेन्द्र मोदी ने पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन के वक्त जातिवार जनगणना की बात कही थी। मगर ऐसा नहीं हुआ। समाजवादियों की मांग पर वर्ष 2011 में जातिवार जनगणना कराई गई थी मगर सरकार ने उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए थे। सपा सदस्य नरेश उत्तम पटेल ने नोटिस को स्वीकार करने पर बल दिया।

पश्चिम बंगाल: भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए किया शंखनाद

देश में अब सीएए को लागू होने से कोई नहीं रोक सकता: अमित शाह

सीएम ममता बनर्जी पर बोला तीखा सियासी हमला

एजेंसी | कोलकाता

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पुरजोर शब्दों में कहा कि केंद्र सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लागू करेगी और कोई इसे नहीं रोक सकता। शाह ने पार्टी के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां एक बड़ी रैली को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने तुष्टीकरण, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक

हिंसा जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने राज्य को 'बर्बाद' कर दिया है। शाह ने कहा कि घुसपैठ को समर्थन देने के कारण ममता बनर्जी सीएए का विरोध कर रही हैं। उन्होंने इतनी अधिक घुसपैठ वाले राज्य में विकास नहीं हो सकता। उन्होंने लोगों से राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने तथा अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा को चुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में भाजपा का प्रदर्शन विधानसभा चुनावों में उसकी जीत की नींव तैयार करेगा। शाह ने लोगों से कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को इतनी सीटें दीजिए कि मोदी जी कहें कि मैं बंगाल के कारण प्रधानमंत्री बना हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस ने पिछला विधानसभा चुनाव 'गड़बड़ी' करके जीता था, लेकिन भाजपा शून्य से 77 सीटों पर पहुंच गई। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के एजेंडे के अनुकूल सरकार चुनकर तृणमूल के कथित कुशासन को खत्म करने का आह्वान किया।

बंगाल में 2026 में दो तिहाई बहुमत से सत्ता में आएगी बीजेपी

रैली में उमड़ी भीड़ पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि यह लोगों के मन को दर्शाती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी।

भाजपा सत्ता में है, असम में अब नहीं कर सकता कोई भी घुसपैठ

शाह ने कहा कि ममता बनर्जी ने घुसपैठ के मुद्दे पर एक बार संसद को ठप कर दिया था, लेकिन अब वह चुप हैं। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा के सत्ता में आने के बाद कोई भी वहां घुसपैठ नहीं कर सकता। असम ने घुसपैठ रोकने की दिशा में सराहनीय काम किया है। लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार की वोट बैंक की राजनीति के कारण घुसपैठ जारी है। ममता बनर्जी सीएए का विरोध कर रही हैं, लेकिन मैं साफ कह दूं कि सीएए देश में लागू किया जाएगा।

सीएम पद से ममता बनर्जी की उल्टी गिनती शुरू

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के निलंबन को लेकर शाह ने कहा कि वह अधिकारी को चुप कराने की कोशिश कर सकती हैं, लेकिन राज्य के लोगों को वह चुप नहीं करा सकतीं। उन्होंने कई बार ममता बनर्जी को 'दीदी' के रूप में संदर्भित किया और कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पद पर उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। शाह ने ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार अपने कुछ नेताओं को पार्टी से निलंबित करने की चुनौती दी।

राजनीतिक हिंसा में BJP के 212 कार्यकर्ता मारे गए

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में भाजपा के 212 कार्यकर्ता मारे गए हैं और लोग 2026 के विधानसभा चुनाव में अपने मतों से इन हत्याओं का बदला लेंगे। शाह ने लोगों से लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए बड़ी जीत सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भाजपा पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाए। इसे हासिल करने के लिए, हमें अगले संसदीय चुनाव में राज्य से अधिकतम लोकसभा सीटें जीतनी होंगी। इस रैली में शाह के साथ राज्य के केंद्रीय मंत्री और अन्य नेता भी शामिल हुए।

जरूरी खबर

शीतकालीन सत्र के लिए 18 विधेयक सूचीबद्ध

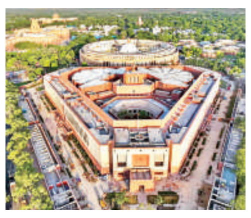

नई दिल्ली। सरकार ने अगले सप्ताह शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के लिए बुधवार को 18 विधेयक सूचीबद्ध किए जिनमें महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी तक बढ़ाने संबंधी दो तथा आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयक शामिल हैं। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, सरकार एक ऐसा विधेयक लाने की भी योजना बना रही है, जिसमें प्रवासी कश्मीरियों, पाकिस्तानअधिकृत जम्मू-कश्मीर से विस्थापित व्यक्तियों तथा अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए विधानसभा में सीट की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 किए के प्रावधान हों।

गैस सिलेंडर विस्फोट से पांच मकान ध्वस्त

मुंबई। मुंबई के चेंबूर इलाके में बुधवार सुबह एक घर में गैस सिलेंडर में विस्फोट होने के बाद पांच मकान ध्वस्त हो गए और 8 लोग घायल हुए हैं और 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह घटना गोल्फ क्लब के निकट ओल्ड बैरक में सुबह सात बजकर 50 मिनट के आसपास हुई। नगरनिगम के एक अधिकारी ने बताया कि घटना में कुल आठ लोग घायल हुए हैं। उनमें से छह को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई जबकि दो लोग शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। मकानों में फंसे 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

विमान में झगड़ा दंपती, दिल्ली में उतारना पड़ा प्लेन

नई दिल्ली। म्यूनिख से बैंकॉक के बीच उड़ान भर रहे लुफ्थांसा के एक विमान में सवार एक दंपति के बीच कहासुनी के दौरान ऐसी नौबत आ गई कि विमान को बुधवार को दिल्ली में उतारना पड़ा। इससे पहले विमान के पायलट ने एटीसी से संपर्क करके उन्हें 'परिस्थिति' के बारे में सूचना दी थी। विमान एक घंटे से अधिक की देरी के बाद बैंकॉक के लिए रवाना हुआ। हालांकि हवाई अड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कर्मियों ने पुरुष यात्री को उतार दिया। सूत्रों ने बताया कि विमान में सवार एक जर्मन व्यक्ति और थाईलैंड की उसकी पत्नी के बीच कहासुनी होने के बाद विमान में स्थिति बिगड़ गई जिसके बाद विमान को आईजीआई हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति मांगी गई जो दे दी गई।

टेक समिट में पहुंचे छात्र-छात्राएं

बेंगलुरु। देश की आईटी नगरी बेंगलुरु में बुधवार को बेंगलुरु टेक समिट शुरू हुआ। समिट में अन्य देशों के प्रतिनिधि भी भाग ले रहे हैं। समिट के दौरान चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लेंडर और प्रज्ञान रोवर के मॉडल का अवलोकन करते छात्र-छात्राएं।

दिल्ली के मुख्य सचिव का अब बढ़ेगा कार्यकाल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार का कार्यकाल छह महीने और बढ़ाने के केंद्र के फैसले को बुधवार को बरकरार रखा, जो 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के फैसले को कानून का उल्लंघन नहीं माना जा सकता।

केंद्रीय गृह मंत्रालय को मुख्य सचिव का कार्यकाल बढ़ाने का अधिकार है। केंद्र ने मंगलवार को अदालत के समक्ष कहा कि वह कुमार का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है। इस पर पीठ ने केंद्र से पूछा था कि क्या उसके पास 'केवल एक ही व्यक्ति' है, क्या इस पद के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा का कोई अन्य अधिकारी उपलब्ध नहीं है। पीठ बिना किसी परामर्श के नए मुख्य सचिव की नियुक्ति या मौजूदा शीर्ष नौकरशाह का कार्यकाल बढ़ाने के केंद्र के किसी भी कदम के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

नफरती भाषणों पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा...

प्रशासनिक तंत्र स्थापित करना चाहता है शीर्ष कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह देशभर में नफरत फैलाने वाले भाषणों से निपटने के लिए एक प्रशासनिक तंत्र स्थापित करने पर विचार कर रहा है। साथ ही उसने स्पष्ट किया कि वह व्यक्तिगत मामलों से नहीं निपट सकता क्योंकि इससे मामलों की बाढ़ आ जाएगी।

न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायाधीश एस. वी. एन भट्टी की पीठ ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषण को अदालत ने परिभाषित किया है और सवाल कार्यान्वयन और यह समझने का है कि इसे कैसे लागू किया जाए। पीठ ने कहा, हम व्यक्तिगत पहलुओं से नहीं निपट सकते। यदि हम अलग-अलग मामलों से निपटना शुरू करेंगे तो इससे मामलों की बाढ़ आ जाएगी। हम बुनियादी ढांचा या प्रशासनिक तंत्र स्थापित करना चाहते हैं। यदि उसमें कोई उल्लंघन होता है तो आप संबंधित उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

पीठ ने कहा कि भारत जैसे बड़े देश में, समस्याएं तो होंगी लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे पास जरूरत पड़ने पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त प्रशासनिक तंत्र है।

गुजरात समेत चार राज्यों को नोटिस जारी

शीर्ष अदालत ने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति न होने पर तमिलनाडु, केरल, नगालैंड और गुजरात राज्यों को भी नोटिस जारी किया। उच्चतम न्यायालय ने पहले कहा था कि नफरत फैलाने वाले भाषण को परिभाषित करना जटिल है, लेकिन इससे निपटने में असली समस्या कानून और न्यायिक घोषणाओं के क्रियान्वयन में है।

शीर्ष अदालत ने ये दिए थे निर्देश

उच्चतम न्यायालय ने संविधान में भारत के धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की परिकल्पना का हवाला देते हुए पिछले साल 21 अक्टूबर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों को निर्देश दिया था कि वे नफरत भरे भाषणों के दोषियों के खिलाफ शिकायत दर्ज होने का इंतजार किए बिना सख्त कार्रवाई करें।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्री से चर्चा करें

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को इस बात का संज्ञान लिया कि केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आठ विधेयकों पर निर्णय ले लिया है। न्यायालय ने इसके साथ ही राज्यपाल से मुख्यमंत्री पिनराई विजयन तथा मंत्री से मुलाकात करके विधेयकों पर चर्चा करने का निर्देश दिया और उम्मीद जताई कि कोई राजनीतिक दूरदर्शिता से काम लिया जाएगा।

PM गरीब कल्याण अन्न योजना को बढ़ाया

81.35 करोड़ लोगों को और पांच साल मिलेगा मुफ्त अन्न

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। सरकार ने 81.35 करोड़ गरीब लोगों को हर महीने पांच किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त देने से जुड़ी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में फैसला किया गया। अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनावों से पहले किए गए इस फैसले से सरकारी खजाने पर 11.80 लाख करोड़ रुपए का भार आएगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि पीएमजीकेएवाई को एक जनवरी, 2024 से अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। इस योजना को पहले 31 दिसंबर, 2023 तक बढ़ाया गया था।

आदिवासी न्याय महा अभियान को मंजूरी

मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) को मंजूरी दे दी है। झारखंड के खूंटी में 'जनजातीय गौरव दिवस' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित इस योजना का कुल परिव्यय 24,104 करोड़ रुपए होगा।

'फास्ट ट्रैक' विशेष अदालतों और तीन वर्ष रहेंगी जारी

मंत्रिमंडल ने यौन अपराधों से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय देने के लिए 'फास्ट ट्रैक' विशेष अदालतों को अगले तीन साल तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल ने 1952.23 करोड़ रुपए के कोष के साथ इस योजना को तीन और वर्षों तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी। केंद्र का हिस्सा जहां 1207.24 करोड़ रुपए होगा, वहीं राज्य 744.99 करोड़ रुपए का योगदान देंगे। दिल्ली में निर्भया सामूहिक बलात्कार मामले के बाद 2018 में ये विशेष अदालतें स्थापित करने का निर्णय लिया था।

15,000 महिला समूहों को मिलेंगे ड्रोन

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को दो वर्षों के लिए ड्रोन उपलब्ध कराने की एक केंद्रीय योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के लिए 1,261 करोड़ रुपएआवंटित किए गए हैं।

मणिपुर में लौटेगी शांति, सुलह की शुरुआत

उग्रवादी गुट ने हिंसा छोड़ी, केंद्र से समझौता

एजेंसी | नई दिल्ली

मणिपुर में सक्रिय उग्रवादी समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) ने बुधवार को सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये और हिंसा त्यागने पर सहमति जताई। यूएनएलएफ मणिपुर में सक्रिय सबसे पुराना उग्रवादी संगठन है।

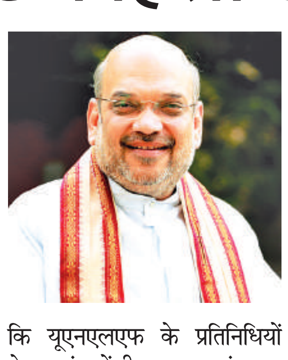

यह घटनाक्रम इस महीने की शुरुआत में कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत समूह पर प्रतिबंध की अवधि पांच साल बढ़ाने के फैसले के बाद आया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि यूएनएलएफ के प्रतिनिधियों ने यहां केंद्रीय गृह मंत्रालय और मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। केंद्र की संघर्ष समाधान पहल के तहत पूर्वोत्तर के कई जातीय सशस्त्र समूहों के साथ राजनीतिक समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। यह पहली बार है कि इंफाल घाटी में सक्रिय कोई मणिपुरी सशस्त्र समूह हिंसा छोड़कर और भारतीय संविधान एवं कानून का सम्मान करते हुए मुख्यधारा में लौटने पर सहमत हुआ है।

ऐतहासिक उपलब्धि: अमित शाह

अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गयी!!! पूर्वोत्तर में स्थायी शांति स्थापित करने के मोदी सरकार के अथक प्रयासों में एक नया अध्याय जुड़ गया है क्योंकि यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ने नई दिल्ली में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। शाह ने कहा कि भारत सरकार और मणिपुर सरकार द्वारा यूएनएलएफ के साथ किया गया शांति समझौता छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष के अंत का प्रतीक है। ज्ञात रहे कि मणिपुर में मई से मैइती और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष हो रहा है, जिसकी वजह से 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

उल्फा(इं) सदस्यों का समर्पण

गुवाहाटी। उल्फा(इंडिपेंडेंट) के चार सदस्यों ने मुख्यधारा में लौटने के लिए बुधवार को गुवाहाटी में पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह के समक्ष समर्पण कर दिया।

जीत जिंदगी की: झारखंड निवासी श्रमिक ने सुनाई व्यथा

शुरुआत में जिंदा रहने के लिए चट्टानों से टपकता पानी पीया, मुरमुरे खाए

एजेंसी | रांची

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग से मंगलवार रात सुरक्षित बचाए गए 41 श्रमिकों में से एक श्रमिक अनिल बेदिया ने बताया कि हादसे के बाद उन लोगों ने अपनी प्यास बुझाने के लिए चट्टानों से टपकते पानी को चाटा और शुरुआती कुछ दिन मुरमुरे खाकर गुजारे। झारखंड के 22 वर्षीय श्रमिक अनिल बेदिया ने बताया कि उन्होंने 12 नवंबर को सुरंग का हिस्सा ढहने के बाद मौत को बहुत करीब से देखा। बेदिया सहित 41 श्रमिक मलबा ढहने के बाद 12 नवंबर से सुरंग में फंसे थे। उन्होंने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से फोन पर बातचीत में अपनी कहानी साझा की। बेदिया ने कहा, मलबा ढहने के बाद तेज चीखों से पूरा इलाका गूंज गया.. हम सब ने सोचा कि हम सुरंग के भीतर ही दफन हो जाएंगे। शुरुआती कुछ दिनों में हमने सारी उम्मीदें खो दी थीं।

70 घंटे बाद हुआ संपर्क तो जगी उम्मीद

हमारे जीवित रहने की पहली उम्मीद तब जगी जब अधिकारियों ने लगभग 70 घंटों के बाद हमसे संपर्क स्थापित किया। उनके अनुसार, उनके दो पर्यवेक्षकों ने उन्हें चट्टानों से टपकता पानी पीने के लिए कहा। आखिरकार, जब हमने बाहर से, हमसे बात करने वाले लोगों की आवाजें सुनीं, तो दृढ़ विश्वास और जीवित रहने की आशा ने हमारी हताशा को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, हम जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकलने के लिए प्रार्थना करते थे... आखिरकार भगवान ने हमारी सुन ली।

श्रमिकों के गांव में जश्न, मनाई 'दीपावली'

सुरंग में फंसे उत्तर प्रदेश के आठ मजदूरों के 16 दिन बाद मंगलवार रात को सुरंग से सही-सलामत बाहर आने की खबर सुनकर उनके परिजन और ग्रामीण झूम उठे तथा उसी समय से गांव में शुरू हुआ जश्न बुधवार को भी जारी रहा। सिलक्यारा सुरंग में श्रावस्ती जिले के मोतीपुर गांव के निवासी राम मिलन, अंकित, सत्यदेव, संतोष, जय प्रकाश और राम सुंदर नामक श्रमिक फंसे थे। राम मिलन के बेटे संदीप कुमार ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, श्रमिकों के बाहर निकलने की पहली खबर मिली तो लोगों ने दीये जलाकर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर 'दीपावली' मनाई।

धामी ने श्रमिकों को एक-एक लाख रु के चेक सौंपे

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुरंग से निकाले गए श्रमिकों को ऋषिकेश के एम्स में भर्ती किए जाने से पहले बुधवार को चिन्यालीसौड़ अस्पताल में उनसे मिलकर उनका हालचाल जाना और उन्हें एक-एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक सौंपा ।

सभी मजदूर स्वस्थ

सुरंग से बाहर निकाले जाने के बाद श्रमिकों सिलक्यारा से 30 किलोमीटर दूर स्थित चिन्यालीसौड़ अस्थायी अस्पताल ले जाया गया था जहां उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया था । हालांकि, सभी श्रमिक स्वस्थ हैं। बाद में श्रमिकों को हेलिकॉप्टर से ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जे जाया गया है जहां उनका गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मानव श्रम मशीनों पर भारी

दूसरी ओर उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के सफल अभियान के बारे में विश्व मीडिया ने कहा कि मानव श्रम मशीनों पर भारी पड़ा है। ब्रिटिश समाचार पत्र 'द गार्जियन' ने लिखा, अंतत: यह मशीनों पर मानव श्रम की जीत थी क्योंकि मशीनों के जरिये इस अभियान में सफलता नहीं मिलने पर 'रैट होल माइनिंग' विशेषज्ञ हाथों से खुदाई करके 12 मीटर मलबे को हटाने में कामयाब रहे।

जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में विशेषज्ञों ने सिखाई बारीकियां

वर्तमान में फोटोजर्नलिज्म के लिए एक गंभीर चुनौती है 'डीपफेक टेक्नोलॉजी'

एजेंसी | जयपुर

फोटोजर्नलिज्म के क्षेत्र में युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से, इमेजिन फोटोजर्नलिस्ट सोसाइटी की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एक दिवसीय जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार का नवां संस्करण आयोजित हुआ। सेमिनार में फोटोजर्नलिज्म एवं पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने वर्तमान दौर में पत्रकारिता क्षेत्र में बदलते परिदृश्यों पर अपने विचार विद्यार्थियों के साथ साझा किए। सेमिनार में सतीश पूनियां वरिष्ठ राजनीतिज्ञ, अयोध्या प्रसाद गौड़ महाप्रबंधक कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन, केयर्न ऑयल एंड गैस, अजय उमट समूह संपादक अहमदाबाद मिरर, रोहित परिहार उप संपादक इंडिया टुडे, पुरुषोत्तम दिवाकर अंतरराष्ट्रीय फोटो जर्नलिस्ट, लीला दिवाकर, हेमजीत मालू, निदेशक वीणा म्यूजिक, गौतम कुमावत सीईओ हैकिंग फ्लिक्स, अंशुमन शास्त्री निदेशक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर, वनस्थली विद्यापीठ और नितिन जगड़ ब्रांच हैड एडफैक्टर्स पीआर आदि शामिल हुए।

मशीन कभी नहीं बोलती झूठ

अयोध्या प्रसाद गौड़ ने सेमिनार में बड़ी संख्या में शामिल युवा महिला प्रतिभागियों और कैमरा कमांडोज के विडियो क्लिप पर कहा कि भारत को महाशक्ति बनते हुए देखना है तो महिलाशक्ति को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मशीन कभी झूठ नहीं बोलती। इसलिए डीपफेक जैसी टेक्नोलॉजी का समाधान भी एआई में ही निहित है। रोहित परिहार ने कहा कि फोटोजर्नलिस्ट का कार्य रियलिस्टिक होता है। वह स्टोरी एलिमेंट को कभी भी मेनुप्लेट नहीं करता। उन्होंने वर्तमान दौर में जर्नलिज्म में एआई के उपयोग के स्थान पर रिसर्च पर जोर दिया।

एआई के फायदे-नुकसान बताए

पुरुषोत्तम दिवाकर ने सेमिनार की थीम 'द रियल थ्रिल ऑफ फोटोजर्नलिज्म' के बारे में बताते हुए कहा कि किसी घटना की वास्तविक फोटो लेने के लिए जैसे इंडियन बॉर्डर अथवा ऐसी ही किसी अन्य चुनौतीपूर्ण जगहों पर जा कर फोटोग्राफी में जो थ्रिल होता है वह रोमांच एआई के उपयोग से फोटो जेनरेट करने में नहीं मिलता। गौतम कुमावत ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से फोटोजर्नलिज्म में एआई के फायदों एवं नुकसान पर प्रकाश डालते हुए डीपफेक टेक्नोलॉजी से उभरती हुई चुनौतियों के बारे में बताया। हेमजीत मालू ने फोटोजर्नलिस्ट बनने से पूर्व अच्छा इंसान बनने पर जोर दिया। लीला दिवाकर ने धन्यवाद् ज्ञापित किया। इस दौरान अतिथियों का सम्मान भी किया गया। साथ ही कैमरा कमांडो की डिजिटल मैग्जीन 'जीने का अंदाज' का विमोचन हुआ।

फोटोजर्नलिस्ट किसी कमांडो से कम नहीं

इस अवसर पर सतीश पूनियां ने कहा कि फोटोजर्नलिस्ट किसी कमांडो से कम नहीं है। कोरोना महामारी जैसे अन्य गंभीर एवं जोखिम भरे हालात में भी फोटोजर्नलिस्ट पूरे जुनून के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि समाज और देश को फोटोजर्नलिस्ट की जरूरत सदैवी रहेगी। नयी पीढ़ी को चाहिए की वे इस क्षेत्र में नवाचार करें जो उनकी ताकत बनेगी। अजय उमट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का उदाहरण देते हुए ब्रांड मोदी में फोटोग्राफी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र में आम जन को जोड़ना एवं भागीदार बनाना चाहिए। उन्होंने फोटोजर्नलिज्म क्षेत्र में उभरती हुई डीपफेक टेक्नोलोजी पर चिंता जाहिर की।

जनकपुरी में मुनि संघ का प्रवेश

बेधड़क. जयपुर। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में बुधवार को आचार्य वसुनंदी के शिष्य मुनि त्रय सर्वानन्दजी, ज़िनानन्दजी व पुण्या नन्दजी मुनिराज का गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ। मुनि संघ मांग्यावास मंदिर से मंगल पद विहार कर यहां पहुंचे। मन्दिर समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि रास्ते में श्रावकों ने पाद प्रक्षालन व आरती कर स्वागत किया। मंदिर के बाहर मंगल कलश लिए महिलाओं ने अगवानी की। प्रवेश के बाद उपस्थित समाजजनों को मुनि जिनानंद ने कहा कि आप पूरे दिन में थोड़ा सा समय स्वयं को भी दीजिए, वही आपके आत्म कल्याण में सहायक होगा। मुनि का नित्य प्रातः 8:15 बजे प्रवचन तथा दिन में तीन बजे स्वाध्याय का कार्यक्रम रहेगा। वहीं, यहां चातुर्मास कर रही आर्यिका विशेषमति माताजी का विहार दिन में थड़ी मार्केट के लिए हुआ।

भजन संध्या में बही भक्तिरस धारा

बेधड़क. जयपुर। श्री नारायम धाम गोपालबाड़ी स्थित श्री नारायण धाम में हरिनारायण बड़गोती बिलोंची वाले की स्मृति में भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नारायण धाम में पद्म श्री नारायण दास महाराज की दिल्ली से मंगवाए फूलों से विशेष झांकी सजाई गई। पुजारी केशव दास उपेन्द्र यशपाल पारस ने बताया कि भजनसंध्या में संत प्रकाश दास महाराज ने सावरा आओ तो, आ लोट के आजा हनुमान, डाल डाल पर सोने की चिड़िया, वन्देमातरम मेरे देश की धरती, चूला की आग, भजन बिणजारी ए मीठी-मीठी बोल-बाता थारी रे जासी, ओ मिनख जमानो, मोर बोले रे सांवरिया, रंगरंगीलो प्यारो राजस्थान आदि भजनों से श्रोताओं को भक्तिरस के साथ ही देशभक्ति में डुबा दिया। भजन संध्या में ब्रह्मपीठाधीश्वर काठिया परिवाराचार्य रामरतन देवाचार्य महाराज, तामड़िया धाम के पीठाधीश्वर बजरंगदास महाराज, हाथोज धाम के बालमुकुन्दाचार्य महाराज, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया, डॉ. गोपाल शर्मा, रामलाल शर्मा, कैलाश बड़गोती, मोहन बड़गोती, राकेश बड़गोती, सत्यप्रकाश रावत, शुभम बड़गोती, दिव्य बड़गोती सहित हजारों श्रध्दालु उपस्थित रहे।

City इवेंट्स

RPS ने ताइक्वांडो में जीते मेडल

बेधड़क. जयपुर। रावत पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के विद्यार्थियो ने सीबीएसई द्वारा आयोजित नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। गगन पब्लिक स्कूल, नोएडा में हुई इस प्रतियोगिता में 800 से अधिक स्कूलों ने पार्टिसिपेट किया। विद्यालय के विहान रायल और पार्थ सतीश धाकड़ (10th) ने गोल्ड, हर्ष नागरवाल(12th) ने सिल्वर एवं किशन मीना और भव्य वशिष्ठ (12th) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने ताइक्वांडो कोच भरत शर्मा के कुशल मार्गदर्शन की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी। विद्यालय की प्राचार्या मैत्रेयी शुक्ला ने सभी विजेताओं के प्रयास को सराहा।

HIV जागरूकता वॉकथॉन 1 से

बेधड़क. जयपुर। रेज-आशा की एक किरण और पॉजिटिव युवा नेटवर्क की ओर से वर्ल्ड एड्स डे पर 1 दिसंबर, को 'वॉक फॉर ए कॉज' वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। शुरुआत जवाहर सर्किल पर सुबह 7 बजे से होगी और 8:30 बजे तक होगी। रेज के संचालक कैप्टन गुरिंदर विर्क ने बताया कि इस वॉकथॉन में एनजीओ के बच्चों सहित 400 से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। इस अवसर पर आमजन में एचआईवी व एड्स के बारे में जागरूकता लाने के लिए बच्चों द्वारा विशेष नुक्कड़ नाटक और इंडी बैंड युगम द्वारा विशेष संगीत प्रस्तुति भी होगी। कैप्टन गुरिंदर ने कहा कि इस वॉकथॉन में कोई भी व्यक्ति हिस्सा ले सकता है और एचआईवी व एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के हमारे उदेश्य को सपोर्ट कर सकता है। यह वॉकथॉन एचआईवी संक्रमित लोगों, विशेषकर बच्चों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने की एक प्रयास है।

MJRFU का दीक्षांत समारोह आज

बेधड़क. जयपुर। महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय (एमजेआरएफयू) का आठवां दीक्षांत समारोह 30 नवंबर को सुबह 9:30 बजे यूनिवर्सिटी के अचरोल कैम्पस में होगा। समारोह में पद्मश्री एमुडियंड रानी माचय्य (कर्नाटक), पद्मश्री उस्ताद मोहम्मद हुसैन व अहमद हुसैन (जयपुर) और पद्मश्री नेकराम शर्मा (हिमाचल प्रदेश) को मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर 2022 बैच के यूजी और पीजी के पासआउट स्टूडेंट्स और पीएचडी धारकों को डिग्री प्रदान की जाएगी। एमजेआरपी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने बताया कि मुख्य अतिथि राजस्थान लोकायुक्त, न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा और विशिष्ट अतिथि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष रिटायर्ड मेजर जनरल आलोक राज होंगे।

आयुर्वेद संस्थान में संपूर्ण स्वास्थ्य पर कार्यशाला

पाश्चात्य जीवन शैली छोड़कर अपनाएं अपनी प्राचीन पद्धति

बेधड़क | जयपुर

जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा संपूर्ण स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों, गतिविधियों एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज बदलती जीवन शैली के कारण हमने प्राचीन खान-पान उसकी सही मात्रा और समय को छोड़कर पूर्ण रूप से पाश्चात्य जीवन शैली को अपना लिया है। इसके कारण नई पीढ़ी का शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है।

स्वस्थ एवं निरोगी रहने के लिए हमें पाश्चात्य जीवन शैली को छोड़कर अपनी प्राचीन पद्धति को अपनाना होगा। कार्यशाला में डॉ. पुनीत चतुर्वेदी ने कहा स्वस्थ रहने के लिए हमें जीवन शैली का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, इसके लिए समय के साथ खानपान और रहन-सहन का उम्र के हिसाब से परिवर्तन करना होगा। डॉ. पुनीत चतुर्वेदी ने कार्यशाला में आए हुए प्रतिनिधियों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से जीवन शैली और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी और कार्य स्थल पर स्वस्थ रहने के लिए योग करवाया।

उत्तर पश्चिम रेलवे उपमुख्य राजभाषा अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा का सम्मान किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के संबंधित विभागों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

37 विदेशी प्रतिनिधियों का दल जयपुर आया

हेरिटेज संरक्षण के अध्ययन के लिए किया मेट्रो का दौरा

बेधड़क | जयपुर

भारत सरकार के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटिव (आईपीए) की ओर से भारतीय तकनीकी और आर्थिक निगम कार्यक्रम के तहत 37 विदेशी प्रतिनिधियों के दल ने हेरिटेज संरक्षण के अध्ययन एवं चर्चा के लिए जयपुर मेट्रो का दौरा किया।

प्रतिनिधी दल का मानसरोवर मेट्रो डिपो के सभागार में एक चर्चा सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें हेरिटेज संरक्षण के दौरान आई बाधाओं तथा उनको हटाने की जानकारी दी गई। इस दौरान जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा चारों पूर्णकालिक निदेशक उपस्थित रहे। इसके बाद दल ने ऑपरेशनल कमांड सेंटर एवं डिपो वर्कशॉप का अवलोकन किया।

दल ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से छोटी चौपड़ मेट्रो स्टेशन तक की जयपुर मेट्रो से यात्रा की। इस दौरान विदेशी प्रतिनिधियों के दल ने शहर का नजारा देखने के साथ ही इस बात की भी जानकारी ली कि मेट्रो के निर्माण के दौरान हेरिटेज का संरक्षण किस तरह से किया गया। इसके लिए क्या तकनीक अपनाई गई। छोटी चौपड़ स्थित ऑर्ट गैलेरी में स्कल्पचर, पेटिंग्स, कुंड के अवशेष, चौपड़ में खुदाई के दौरान निकले पुरातत्व अवशेष, गोमुखों एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों से लाए गए पुरातत्व महत्य की वस्तुओं को सहेजने एवं संरक्षित करने की जानकारी दी।

जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पी रमेश ने सभी विदेशी सरकारी प्रतिनिधियों की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान विश्वविद्यालय | सामाजिक उद्यमिता पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

पर्यावरणीय मुद्दों के जरिए तलाशी उद्यमिता की संभावनाएं

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविध्यालय के उधमिता एंव कौशल विकास केंद्र तथा मीडिया फाउंडेशन-भारती युवा संसद के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को आरए पोद्दार प्रबंध संस्थान के सभागार में सामाजिक उद्यमिता, आत्मनिरीक्षण एंव भविष्य की रणनीति विषय को लेकर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस शुरू हुई।

सेमिनार में 30 नवंबर को विभिन्न सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. एडी सावंत ने अपने उद्बोधन में पर्यावरणीय मुद्दों के जरिए उद्यमिता की संभावनाओं को रेखांकित किया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि सामाजिक उद्यमिता का अकादमिक क्षेत्र में यह अपने तरीके का अनूठा आयोजन है। मुख्य वक्ता एनडीटीवी के नेशनल एडिटर मिहिर गौतम ने सोशल मीडिया में नई संभावना तलाशने पर जोर दिया। उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त कॉलेज एजुकेशन सुनील शर्मा ने कौशल विकास के नए प्रयोग तथा छात्रों में उद्यमिता के विकास पर चर्चा की।

उद्यमिता से जुड़े चार पद्मश्री आए एक साथ मंच पर

समन्वयक प्रो. अनुराग शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में यह पहला अवसर होगा जब सामाजिक उद्यमिता से जुड़े चार पद्मश्री एक मंच पर आए। सत्र में गुरुवार को जे नंद कुमार राष्ट्रीय संयोजक-प्रज्ञा प्रवाह, पद्मश्री सुंडाराम वर्मा कृषि विशेषज्ञ, पद्मश्री श्यामसुंदर पालीवाल पर्यावरण कार्यकर्ता, उमेश मिश्रा, आईपीएस डीजीपी-राजस्थान पुलिस राजस्थान सरकार, प्रो. जीएस मूर्ति राष्ट्रीय समन्वयक-भारतीय ज्ञान प्रणाली (शिक्षा मंत्रालय-भारत सरकार)प्रो.संजीव शर्मा कुलपति-राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, वांगचोक शमशु संस्थापक और सीएमडी-हिमालयन हेली प्रमुख्स वक्ता होंगे।

300 विद्यार्थी, रिसर्च स्कॉलर और प्रोफेसर बने सहभागी

आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के तकरीबन तीन सौ विद्यार्थी, रिसर्च स्कॉलर तथा प्रोफेसर सहभागिता कर रहे हैं। दोपहर के विशेष सत्र में पानी, पर्यावरण, प्रकृतिपरक विभिन्न प्रयोग के माध्यम से सामाजिक उद्यमिता की उपलब्धियों की चर्चा हुई तथा उनको सामाजिक-अकादमिक स्तर पर व्यापक पैमाने पर सामने लाने के तरीकों पर चर्चा हुई। चर्चा में पद्मश्री लक्ष्मण सिंह सामाजिक कार्यकर्ता एवं जल संरक्षक, पद्मश्री रामकिशोर डेरेवाला उद्यमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता, प्रोफेसर अयानजीत सेन बेनेट यूनिवर्सिटी (पूर्व प्रमुख - एबीपी न्यूज), चतर सिंह जल संरक्षक, आरएस चोयल कार्यकारी निदेशक-एसवीआई प्रा. लिमिटेड प्रमुख वक्ता के रूप में रहे। पद्मश्री मुन्नाजी एवं विख्यात मांड गायिका बेगम बतूल ने गुरु वंदना, गणपति स्तुति एवं राजस्थानी लोकगीत की प्रस्तुतियां दी।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, गुरुवार, 30 नवंबर, 2023

किसी के साथ साझा करों विचार, तो ऐसे करो कि विचार, विचारणीय लगे।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

अमेरिकी सेना का हेलिकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त, 8 लोग थे सवार... लापता

तोक्यो। *अमेरिका सेना का ओस्प्रे हेलिकॉप्टर दक्षिणी जापान में समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि जापान के तट रक्षक राहत एवं बचाव कार्यों के लिए घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। तटरक्षक के प्रवक्ता काजुओ ओगावा ने कहा कि हेलिकॉप्टर और उसमें सवार लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि तट रक्षक को याकुशिमा के पास दुर्घटनास्थल के निकट मछली पकड़ने वाली एक नौका से एक आपातकालीन फोन आया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऑस्प्रे किस अड्डे से था। माना जा रहा है कि यह इवाकुनी से ओकिनावा की ओर जा रहा था।*

फोटो - पीटीआई

गाजा से कहां लापता हुए बंधक? दोबारा युद्ध भड़कने का खतरा

40 इजराइलियों का पता नहीं

एजेंसी | यरूशलम

इजराइल और हमास में सीजफायर के दौरान दोनों ओर से बंधकों की रिहाई का सिलसिला जारी है। इस बीच, इजराइली बंधकों को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। दरअसल, हमास के आतंकियों ने 7 अक्टूबर को इजराइल पर अचानक हमला कर दिया था।

इजराइली सरकार का दावा है कि अटैक के दौरान करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया गया। मगर, अब कतर कह रहा है कि लगभग 40 महिलाएं और बच्चे हमास के साथ नहीं हैं और उनका कुछ पता नहीं चल रहा। इस बयान से हलचल मच गई है और बंधकों की रिहाई पर असर पड़ने की आशंका है। साथ ही दोनों के बीच युद्ध फिर से भड़कने का यह कारण भी बन सकता है। इजराइल और हमास के बीच बातचीत में कतर ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। कतरी प्रधानमंत्री ने बताया कि हमास बंधक बनाई गईं 40 महिलाओं और बच्चों का पता लगाने में असमर्थ है।

हमास ने लगाया दूसरे आतंकी गुटों पर आरोप

हमास के नेताओं ने लापता बंधकों को लेकर दूसरे आतंकी गुटों पर आरोप लगाया है। आतंकी संगठन दावा है कि उन्होंने 7 अक्टूबर को अपने दहशतगर्दों को इजराइल भेजा था, जिन्होंने कई लोगों को बंधक बनाया। कतर का मानना है कि हमास के प्रतिद्वंद्वी आतंकी समूह फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने जो कहा है, उससे यह मेल खाता है। रिपोर्ट के मुताबिक उनका दावा है कि उन्होंने 30 इजराइलियों को बंधक बनाया है।

युद्धविराम के 5वें दिन जारी रही रिहाई

हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम के 5वें दिन मंगलवार को हमास ने 12 बंधकों को रिहा कर दिया। वहीं, इजराइल की जेलों में अब तक बंद रहे 30 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा है। इजराइल ने कहा कि हमास की ओर से रिहा किए गए उसके 10 नागरिक और थाइलैंड के 2 नागरिक इजराइल लौट आए। इसके बाद इजराइल ने फिलिस्तीन के कैदियों को रिहा कर दिया। बुधवार रात दोनों ओर से बंधकों और कैदियों के रिहा किए जाने के बाद युद्धविराम की समय सीमा समाप्त हुई।

किम जोंग की हत्या की रची थी साजिश, अमेरिका शामिल

खुलासे से दुनिया में हड़कंप

एजेंसी | प्योंगयांग

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन पर दुनियाभर की निगाहें रहती हैं। उन पर आशंका रहती है कि वह कभी भी कुछ भी कर सकते हैं और तबाही ला सकते हैं। ऐसे में पावरफुल देशों ने उन पर कई तरह के प्रतिबंध भी लगा रखे हैं। इस बीच, एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अमेरिका और साउथ कोरिया के एजेंट्स ने किम जोंग उन को बायोकेमिकल वेपन के जरिए मारने की साजिश रची थी। इस खुलासे से हड़कंप मच गया है। हालांकि, यह प्लान सफल नहीं हो सका और किम जोंग उन जिंदा बच गए।

इस विफल योजना की जानकारी रखने वाले सूत्र ने बताया है कि यह साजिश साल 2017 में रची गई थी। जब किम कुछ महीनों बाद सीआईए डायरेक्टर से मिले तब उन्होंने भी इसका मजाक उड़ाया था। किम और डोनाल्ड ट्रम्प के कुख्यात 2018 शिखर सम्मेलन से दो महीने पहले सीआईए डायरेक्टर माइक पोम्पिओ ने गुप्त रूप से उत्तर कोरियाई नेता से मुलाकात के दौरान इसे हल्के में लिया गया था।

विफल करने का ऐलान

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के एक बयान में दावा किया गया कि मई 2017 में किम को पद से हटाने के अमेरिका समर्थित प्रयास को विफल कर दिया गया था। उसमें कहा गया था कि जघन्य आतंकियों का एक समूह, जिसने अमेरिका और दक्षिण कोरियाई खुफिया सेवा के आदेश पर हमारे देश में घुसपैठ की, उसका उद्देश्य बायोलॉजिकल और कैमिकल हथियारों का उपयोग करके हमारे हेडक्वार्टर के खिलाफ आतंकवाद को अंजाम देना था।

ये लोग थे षड्यंत्र में शामिल

अपहरणकर्ताओं और उत्तर कोरियाई शरणार्थियों के मानवाधिकारों के लिए नागरिक आयोग के सीईओ दोह ही-यूं को उत्तर कोरिया में साजिश में शामिल बताया गया था और वह साइबेरियाई शहर में रहने वाले साजिशकर्ता किम सेओंग-इल से रोजाना बात करते थे। रूस में खाबरोवस्क दोह ने मीडिया को बताया, "दो या तीन वर्षों तक, मेरी किम सेओंग-इल के साथ बातचीत हुई, जिसका इरादा किम शासन को उखाड़ फेंकने का था।" कथित तौर पर यह योजना गुप्त यूएसबी स्टिक पर साझा की गई थी और किम के अंदरूनी घेरे के अंदर तक पहुंचाई गई थी, जो कथित तौर पर किम को मारने के लिए तैयार थे।

कुवैत के शासक अस्पताल में भर्ती

दुबई। कुवैत के शासक शेख नवाफ अल अहमद अल सबा को 'आपात स्वास्थ्य समस्याओं' के कारण बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वर्ष 2020 में देश का शासक बनने के बाद से स्वास्थ्य को लेकर लंबे समय से जारी चिंताएं फिर से सामने आ गई हैं।

इमरान की पार्टी में भ्रम की स्थिति

एजेंसी | इस्लामाबाद

पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई में उस समय भ्रम की स्थिति पैदा हो गई, जब उसने अपने ही एक वरिष्ठ नेता के बयान को खारिज कर दिया। पार्टी के वरिष्ठ नेता शेर अफजल मारवात ने दावा किया था कि जेल में बंद इमरान पार्टी के आंतरिक चुनावों में अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार अगर पीटीआई अपना चुनाव चिह्न 'बल्ला' बरकरार रखना चाहती है तो उसे 20 दिन की समय सीमा के अंदर पार्टी के अंदर चुनाव कराना होगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेर अफजल मारवात ने मंगलवार को कहा कि बैरिस्टर गौहर खान पीटीआई के अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार होंगे। उससे पहले इमरान ने कानूनी बाधाओं के कारण अध्यक्ष पद पर नहीं रहने का कथित तौर पर फैसला किया। खान अभी जेल में बंद हैं। पीटीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक बयान में नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव पर "अटकलों" का खंडन किया।

शीतलहर की चपेट में आए 6 लोगों की मौत

नेपाल में भीषण सर्दी का जबरदस्त कहर...

शीतलहर की चपेट में आए 6 लोगों की मौत

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल के भूकंप प्रभावित करनाली प्रांत में भीषण ठंड के मौसम के चलते छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार तीन नवंबर को आए भूकंप के कारण मकानों के पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाने के चलते कई परिवारों को अस्थाई तंबुओं में रहना पड़ रहा है। नवजात शिशुओं, जच्चा, गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों और बुजुर्गों के ठंड की चपेट में आने की आशंका सबसे अधिक है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को प्रांत के पश्चिमी रुकुम जिले में छह लोगों की मौत हुई। इनमें से आठबिस्कोट नगर पालिका में पांच लोगों की वहीं सनोभेरी ग्रामीण नगर पालिका में एक व्यक्ति की मौत हुई। मरने वालों में अधिकतर 60 से 80 वर्ष की उम्र के बुजुर्ग लोग शामिल थे। सभी छह व्यक्तियों ने अस्थायी तंबू में शरण ली थी, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में जिले में आए विनाशकारी भूकंप के कारण उनके घर रहने लायक नहीं रह गए थे। जाजरकोट और पश्चिमी रुकुम जिला तीन नवंबर को 6.4 तीव्रता के भूकंप से प्रभावित हुआ था, जिसमें कम से कम 154 लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे। इससे पहले जिले में दो सप्ताह पहले भूकंप से प्रभावित पांच लोगों की तंबू में सोते समय मौत हो गई थी।

पहली बार गैर जीवाश्म ईंधन का कमाल

विमान ने अटलांटिक की भरी उड़ान

एजेंसी | लंदन

पूरी तरह से उच्च-वसा एवं कम उत्सर्जन वाले ईंधन से संचालित पहले वाणिज्यिक विमान ने मंगलवार को लंदन से न्यूयॉर्क की उड़ान भरी और इस दौरान इसने अटलांटिक महासागर को पार किया, जिसे 'जेट जीरो' की संज्ञा दी जा रही है। विमानन कंपनी 'वर्जिन अटलांटिक' के बोइंग-787 विमान को जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किए बिना संचालित किया गया। इस उड़ान के लिए इस्तेमाल विमानन ईंधन अपशिष्ट वसा से बना था। वर्जिन के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन ने कहा, 'जब तक आप कुछ खास नहीं करते, दुनिया हमेशा यह मान कर चलती है कि ऐसा कुछ किया ही नहीं जा सकता।' ब्रैनसन खुद कॉर्पोरेट और सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और पत्रकारों सहित अन्य लोगों के साथ विमान में सवार थे।

योजना के लिए दिए गए 10 लाख पाउंड

ब्रिटेन के परिवहन विभाग ने उड़ान की योजना बनाने और संचालित करने के लिए 10 लाख पाउंड (12.7 लाख अमेरिकी डॉलर) दिए हैं। विभाग ने हवाई यात्रा को पर्यावरण के अधिक अनुकूल बनाने के लिए परीक्षण को 'जेट शून्य की दिशा में एक बड़ा कदम' करार दिया। हालांकि व्यापक रूप से इस तरह के ईंधन उत्पादन में अब भी कई बाधाएं हैं।

सबसे अच्छा तरीका

अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने कहा कि सतत विमानन ईंधन अंतरराष्ट्रीय विमानन उद्योग के लिए 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य 'नेट जीरो' प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है, क्योंकि यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को लगभग 70 प्रतिशत तक कम करता है। हालांकि उसने लक्ष्य को महत्वाकांक्षी करार दिया।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

“सच बेधड़क” दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl